

02
दिलजीत दोसांझ का लाइव कॉन्सर्ट आज

इंदौर, भोपाल से एक साथ प्रकाशित

मृदुभाषी

सच्ची ख़बरें, सलीके के साथ

04
बाजार में लिस्टिंग पर नोएल टाटा ने जताई चिंता



youtube.com/mradubhashi x.com/mradubhashi1 facebook.com/mradubhashi

इंदौर, रविवार, 15 नवम्बर 2026 नगर संस्करण, वर्ष: 07, अंक: 57, पृष्ठ: 08, मूल्य: 5:00 रूपए

तोड़ा है पाकिस्तान के बॉलिंग पावरहाऊस का घमंड

आखिरी गेंद पर पाकिस्तान को झटका, भारत बना एशिया का बादशाह; जीत पर झूम उठा देश, मोदी बोले- युवा टीम पर गर्व

एशिया कप जीता शान से दुश्मन पाकिस्तान से

338 रन का विशाल लक्ष्य हासिल कर अंडर-19 टीम ने रचा इतिहास, मोहित उल्वा ने अंतिम गेंद पर चौका जड़कर दिलाई एक विकेट से यादगार जीत

मृदुभाषी। नई दिल्ली

ओमान के अल अमेरात में भारतीय युवा क्रिकेटरों ने ऐसा कारनामा कर दिखाया, जिसने पूरे देश को जश्न मनाने का मौका दे दिया। भारतीय अंडर-19 टीम ने रोमांचक फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान को एक विकेट से हराकर अंडर-19 एशिया कप 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। 338 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय खिलाड़ियों ने आखिरी गेंद तक संघर्ष किया और असंभव दिख रही जीत को हकीकत में बदल दिया। इस ऐतिहासिक कामयाबी के बाद देशभर से टीम को बधाइयां मिल रही हैं।

फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में नौ विकेट खोकर 337 रन बनाए। उस्मान खान ने शानदार शतक लगाते हुए 107 रनों की पारी खेली। अब्दुल कादिर ने 80 और कप्तान फरहान यूसुफ ने 60 रन बनाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। भारत की ओर से काव्या पटेल ने चार विकेट हासिल किए, जबकि सी वेंकट को तीन सफलताएं मिलीं। इस तरह भारत के सामने खिताब जीतने के लिए 338 रनों की चुनौती थी। जिसे भारतीय टीम ने संघर्ष करते हुए आखिरी गेंद पर हासिल कर जीत का झंडा गाड़ दिया।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोले- युवा टीम पर गर्व



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय टीम की शानदार जीत पर खुशी जाहिर करते हुए खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि भारतीय क्रिकेट के लिए यह शानदार दिन है। पुरुष अंडर-19 एशिया कप 2026 जीतने वाली युवा टीम के प्रभावशाली प्रदर्शन पर पूरे देश को गर्व है। उन्होंने कहा कि टीम की सफलता देश के कई युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी। प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों को भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

अमित शाह ने कहा- देश का गौरव बढ़ाया



केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी भारतीय युवा खिलाड़ियों की जमकर सराहना की। उन्होंने जीत को शानदार और ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि अंडर-19 एशिया कप का खिताब जीतकर भारतीय टीम ने देश को खुशी और गर्व से भर दिया है। शाह ने खिलाड़ियों के जज्बे, दृढ़ संकल्प और खेल भावना की तारीफ करते हुए कहा कि उनका प्रदर्शन प्रशंसनीय है। हम उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।

सहवाग बोले- क्या मुकाबला, क्या रोमांचक अंत!



वीरेंद्र सहवाग भी इस रोमांचक जीत से बेहद उत्साहित नजर आए। उन्होंने कहा कि 338 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए फाइनल में पाकिस्तान को हराने के लिए असाधारण जज्बे की जरूरत होती है। सहवाग ने कप्तान लक्ष्य रायचंदानी के 80 रन और आर्यवीर सहवाग के 58 रनों की पारी की तारीफ की। उन्होंने मनल चौहान और मोहित उल्वा के प्रदर्शन को भी निर्णायक बताया। सहवाग के मुताबिक, जब टीम को चमत्कार की जरूरत थी, तब इन दोनों खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाया।

लक्ष्य और आर्यवीर ने दी शानदार शुरुआत

विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को कप्तान लक्ष्य रायचंदानी और आर्यवीर सहवाग ने बेहतरीन शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 95 रन जोड़े। लक्ष्य ने 80 रन बनाए, जबकि आर्यवीर ने 58 रनों का योगदान दिया। हालांकि, शुरुआती साझेदारी टूटने के बाद भारतीय पारी लड़खड़ा गई। लगातार विकेट गिरने से 42वें ओवर में भारत का स्कोर आठ विकेट पर 252 रन हो गया। एक समय मुकाबला पूरी तरह पाकिस्तान के पक्ष में जाता दिखाई दे रहा था।

मनल और मोहित ने पलट दिया पूरा मुकाबला

मुश्किल हालात में मनल चौहान और मोहित उल्वा ने हार मानने से इनकार कर दिया। दोनों ने नौवें विकेट के लिए 57 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी कर भारत की उम्मीदें फिर जगा दीं। मनल ने 32 गेंदों में 47 रन बनाए, जबकि मोहित उल्वा ने 26 गेंदों में नाबाद 49 रनों की विस्फोटक पारी खेली। मनल के आउट होने के बाद सी वेंकट ने भी 11 रनों का उपयोगी योगदान दिया और भारत को जीत के करीब पहुंचा दिया। इस जीत के बाद भारत सहित दुनियाभर से बधाई मिल रही है।

जनजातीय गौरव पर विशेष

भगवान बिरसा मुंडा मात्र एक नाम नहीं, बल्कि एक विचारधारा हैं



डॉ. मोहन यादव

15 नवंबर का दिन न केवल जनजातीय समाज के लिए, बल्कि समूचे भारत वर्ष के लिए आत्म-स्वाभिमान, अदम्य साहस और देशभक्ति के स्मरण का दिवस है। आज धरती आबा, उलगुलान के प्रणेता भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती है। इस पावन अवसर पर मैं मध्यप्रदेश की समस्त 8 करोड़ जनता की ओर से जनजातीय नायकों के चरणों में नमन करता हूँ।

भगवान बिरसा मुंडा मात्र एक नाम नहीं, बल्कि एक विचारधारा हैं। उन्होंने बेहद कम आयु में अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों और शोषणकारी व्यवस्था के खिलाफ जो 'उलगुलान' (क्रांति) छेड़ा, उसने देश की आज़ादी की नींव को मजबूत करने का काम किया। जल, जंगल और जमीन पर जनजातीय समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए उनका संघर्ष आज भी हम सभी को राष्ट्रसेवा और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने की प्रेरणा देता है।

मध्यप्रदेश जनजातीय संस्कृति और गौरव का केंद्र रहा है, जो देश का सबसे बड़ा जनजातीय आबादी वाला राज्य है। हमारे लिए भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती मनाना केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि अपनी जड़ों से जुड़ने और जनजातीय भाइयों-बहनों के जीवन को बेहतर बनाने का एक राष्ट्रीय संकल्प है।

यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाने की ऐतिहासिक शुरुआत की थी। मध्यप्रदेश को यह सौभाग्य मिला था कि इस ऐतिहासिक निर्णय का साक्षी और ध्वजवाहक हमारा राज्य बना।हमारी सरकार का स्पष्ट मानना है कि जब तक हमारा जनजातीय समाज सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त नहीं होगा, तब तक मध्यप्रदेश के पूर्ण विकास की कल्पना अधूरी है। इसी दिशा में राज्य सरकार लगातार कई ऐतिहासिक कदम उठा रही है।

हमने राज्य में पेसा कानून लागू कर जनजातीय समाज को जल, जंगल और जमीन से जुड़े निर्णयों में आत्मनिर्भर और अधिकार संपन्न बनाया है। अब गाँव की ग्राम सभाओं को ही अपने संसाधन प्रबंधित करने का पूरा अधिकार है।

जनजातीय क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचाने के लिए एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों की श्रृंखला तैयार की जा रही है। साथ ही सिकल सेल एनीमिया जैसी गंभीर बीमारी के उन्मूलन के लिए विशेष अभियान चलाकर लाखों जनजातीय भाई-बहनों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाकर उपचारित भी किया गया है।

भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना और टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना जैसी पहलों के माध्यम से जनजातीय युवाओं को अपने पैर पर खड़े होने के लिए आर्थिक सहायता और प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

टंट्या भील, भीमा नायक, राजा शंकर शाह, कुंवर रघुनाथ शाह और रानी दुर्गावती जैसी महान हस्तियों के बलिदान और योगदान को जन-जन तक पहुँचाने के लिए उनके स्मारकों और संग्रहालयों का निर्माण करसांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण किया है।भगवान बिरसा मुंडा जी ने जिस समृद्ध, आत्मनिर्भर और स्वाभिमानी समाज का सपना देखा था, उसे साकार करना ही हमारी सरकार का परम उद्देश्य है।

आइए, इस जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हम अपने जनजातीय समाज के गौरव, उनकी सांस्कृतिक विरासत और उनके अधिकारों के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

जय हिंद! जय मध्यप्रदेश! जय जोहार!

(लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

खरगोन में धरती हिली, डरे-सहमे लोग

मृदुभाषी। खरगोन

जिले में एक माह में दूसरी बार जिले में भूकंप के झटके महसूस किए गए है। शनिवार सुबह जब लोग अपनी दिनचर्या में जुटे थे। इसी दौरान सुबह 9.15 बजे अचानक पैरो के नीचे से जमीन खिसकने लगी। बर्तन-खिड़की खडख़ड़ाने लगे।

घर में हो रही अप्रत्याशित हलचल देख लोग घर से बाहर की ओर भागे। कुछ ही देर में कॉलोनी, मोहल्ले, बस्तियों की गलियां लोगों से भरने लगी। लोग एक दूसरे से स्थिति को लेकर चर्चा करने लगे। कुछ पल के लिए लोगों को समझ ही नहीं आया कि आखिर हो क्या रहा है। घरों में कंपन महसूस होते ही लोग अपनी जान बचाने के लिए बाहर निकल आए। उल्लेखनीय है कि इससे पहले 26 दिन पहले भी जमीन में



हलचल का मामला सामने आया था। प्रशासन ने जिले में भूकंप आने की पुष्टि की है। इस भूकंप की तीव्रता 4.5 आंकी गई है। कई स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे में आंगन में खड़ी कार, धरती हिलती नजर आई है। जिसके विडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे है। मिली जानकारी अनुसार शहर सहित ग्रामीण अंचलों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए है। हालांकि इसकी तीव्रता कम होने से कहीं से भी कोई जनहानि का समाचार नही है। कलेक्टर ने जीएसआई और मौसम विभाग को पत्र लिखा है। पत्र में उल्लेख किया है कि संवेदनशील क्षेत्रों का तकनीकी दल से निरीक्षण और विश्लेषण कराया जाए। 18 अक्टूबर को भी 3.0 तीव्रता के झटके लगे थे। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.5 दर्ज की गई। जिला मुख्यालय से लेकर गोगावां, भगवानपुरा, झिरन्या, महेश्वर, भीकनगांव, बिस्टान, खलबुजुर्ग और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों तक कंपन महसूस किया गया। कई निजी स्कूलों में एहतियातन समय से पहले ही बच्चों की छुट्टी कर दी गई। हालांकि राहत की बात यह रही कि कहीं से जनहानि या किसी बड़ी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

लोकसभा सीटें 50% बढ़ाने के प्रस्ताव पर NCP-SP सहमत

मृदुभाषी। नई दिल्ली



NCP (शरद गुट) की सांसद सुप्रिया सुले ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी लोकसभा सीटों की संख्या 50% बढ़ाने के भाजपा के प्रस्ताव का समर्थन करने को तैयार है। इसके साथ ही महिला आरक्षण लागू करने की भी बात कही गई है।

सुले ने बताया कि भाजपा ने परिसीमन विधेयक पर चर्चा के लिए विपक्षी नेताओं को बैठक में बुलाया था। बैठक में भाजपा ने सभी राज्यों में लोकसभा सीटें 50% बढ़ाने का प्रस्ताव रखा। हालांकि, सुले ने स्पष्ट किया कि NCP-SP ने विधेयक का समर्थन करने का अभी औपचारिक फैसला नहीं लिया है। पार्टी को प्रस्तावित विधेयक की आधिकारिक कॉपी नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि पार्टी इस प्रस्ताव पर INDIA गठबंधन के सहयोगियों के साथ भी चर्चा करना चाहती है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार भारत आएंगे पाकिस्तानी मंत्री



नई दिल्ली। पाकिस्तान के जलवायु मंत्री मुसादिक मसूद मलिक अगले सप्ताह भारत आएंगे। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के मुताबिक मलिक 20 से 22 नवंबर तक नई दिल्ली में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के एक कार्यक्रम में शामिल होंगे। भारत ने पाकिस्तान को SCO का सदस्य होने के नाते कार्यक्रम में शामिल होने का न्योता दिया था। इसके लिए पिछले महीने पाकिस्तान के राष्ट्रीय विरासत और संस्कृति मंत्री औरंगजेब खान खिची को आमंत्रित किया गया था।

गोधरा ट्रेन अग्निकांड दुर्घटना नहीं बल्कि सोची-समझी साजिश थीः अस्थाना

मृदुभाषी। नई दिल्ली



पूर्व सीबीआई स्पेशल डायरेक्टर राकेश अस्थाना ने वर्ष 2002 के बहुचर्चित गोधरा ट्रेन अग्निकांड को लेकर बड़ा दावा करते हुए कहा है कि साबरमती एक्सप्रेस के कोच S-6 में लगी आग महज कोई दुर्घटना नहीं थी, बल्कि यह एक सोची-समझी साजिश थी। अस्थाना ने स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित विशेष जांच दल (SIT) और नानावती आयोग की रिपोर्ट में भी इस आग को जानबूझकर लगाया जाना बताया गया था तथा गुजरात पुलिस की शुरुआती जांच को पूरी तरह सही पाया गया था। इस दौरान उन्होंने तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वे उन्हें इस मामले में फंसाना चाहते थे।

गौरतलब है कि 27 फरवरी 2002 को गोधरा रेलवे स्टेशन के पास अयोध्या से अहमदाबाद जा रही साबरमती एक्सप्रेस के कोच S-6 में आग लगने से अयोध्या से लौट रहे कारसेवकों समेत 59 लोगों की मौत हो गई थी, जिसके बाद पूरे गुजरात में हिंसा भड़क उठी थी और राज्य सरकार ने इस कांड की जांच के लिए राकेश अस्थाना की अगुवाई में एसआईटी का गठन किया था। इस घटना का उल्लेख सोनिया गांधी ने अपनी पुस्तक 'बिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लव' के पेज 401 से 403 के बीच भी किया है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि साबरमती एक्सप्रेस के डिब्बों में आग लगाए जाने से 59 तीर्थयात्रियों की मौत हुई थी, जिसके बाद राज्य में दंगे भड़के और आग लगने का कारण आज भी एक विवादित विषय बना हुआ है। राकेश अस्थाना ने जांच प्रक्रिया का विवरण देते हुए बताया कि गुजरात पुलिस और राज्य एसआईटी की जांच के बाद वर्ष 2008 में सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व सीबीआई डायरेक्टर आरके राघवन के नेतृत्व में एक नई एसआईटी बनाई थी।



ऑपरेशन के बाद पूरी तरह स्वस्थ है किशोरी

किशोरी के पेट से निकाली फुटबॉल के आकार की साढ़े पांच किलो की गांठ

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। खरगोन निवासी 14 वर्षीय किशोरी के पेट से शल्य चिकित्सा द्वारा 5.5 किलोग्राम वजनी एक विशाल गांठ को सफलतापूर्वक बाहर निकाला गया है। लगभग 2424 सेंटीमीटर आकार की यह गांठ फुटबॉल जितनी बड़ी थी। इंदौर सिटी हॉस्पिटल के शल्य चिकित्सक डॉ. अंशुल अग्रवाल और उनकी विशेषज्ञ टीम ने करीब 45 मिनट तक चले इस जटिल ऑपरेशन को अंजाम दिया।

ऑपरेशन के बाद तीन दिनों तक डॉक्टरों की सघन निगरानी में रखने के पश्चात अब किशोरी पूरी तरह स्वस्थ है और उसे अस्पताल से छुट्टी दी जा रही है। इतनी कम उम्र में पेट के भीतर इस आकार की गांठ का बनना चिकित्सा जगत में एक अत्यंत दुर्लभ मामला माना जा रहा है। पेट से गांठ निकलने के बाद किशोरी को काफी राहत है। इससे पहले तक वह पेट दर्द से काफी परेशानी का सामना कर रही थी। किशोरी के साथ उसकी



परिजनों ने भी चिकित्सकों का इसके लिए आभार माना है।

चार माह से पेट दर्द से परेशान थी किशोरी

इंदौर सिटी हॉस्पिटल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. बीबी त्रिपाठी ने बताया कि बालिका पिछले चार महीनों से पेट में दर्द और लगातार पेट फूलने की समस्या से जूझ रही थी। शारीरिक तकलीफ बढ़ने पर परिजन उसे खरगोन के स्थानीय क्लीनिक ले गए, जहां प्रारंभिक जांच के बाद डॉक्टरों ने विशेषज्ञ सलाह के लिए इंदौर जाने का परामर्श दिया। इंदौर पहुंचने पर सोनोग्राफी और सीटी स्कैन कराया गया, जिससे पेट के भीतर इस विशालकाय गांठ की मौजूदगी का पता चला। चिकित्सकों के अनुसार, यह भारी गांठ पेट के अन्य हिस्सों पर लगातार गंभीर दबाव बना रही थी और समय पर इलाज न मिलने की स्थिति में आसपास के महत्वपूर्ण अंगों के क्षतिग्रस्त होने का खतरा बढ़ सकता था।

संवेदनशील अंगों से गंभीर रूप से चिपकी हुई थी गांठ

इस शल्य चिकित्सा में सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि विशाल आकार होने के कारण यह गांठ बड़ी आंत, छोटी आंत तथा गुर्दे से पेशाब को मूत्राशय तक पहुंचाने वाली नली सहित अन्य संवेदनशील अंगों से गंभीर रूप से चिपकी हुई थी।

इन महत्वपूर्ण अंगों को किसी भी तरह के नुकसान से बचाते हुए गांठ को अलग करना बेहद जोखिम भरा था। डॉ. अंशुल अग्रवाल और उनकी टीम ने अत्यधिक सावधानी बरतते हुए महज 45 मिनट में बिना किसी अत्यधिक रक्तस्राव या चिकित्सकीय जटिलता के इस ऑपरेशन को सफलतापूर्वक पूरा कर किशोरी को नया जीवन दिया।

आरोपी की गैरमौजूदगी में दर्ज बयानों के आधार पर सजा सुनाने का आदेश निरस्त

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने आरोपी की अनुपस्थिति में दर्ज गवाहों के बयानों के आधार पर बिना जिरह का अवसर दिए सजा सुनाए जाने वाले एक निचली अदालत के फैसले को पूरी तरह से निरस्त कर दिया है।

अदालत ने स्पष्ट किया है कि जिरह निष्पक्ष सुनवाई का एक अनिवार्य और मौलिक हिस्सा है। इसलिए, आरोपी की गैरमौजूदगी में दर्ज गवाहों के बयानों को उसके खिलाफ इस्तेमाल करने के लिए दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 299 की अनिवार्य शर्तों का सख्ती से पालन किया जाना जरूरी है। आरोपी के दोबारा अदालत में लौटने के बाद बिना गवाहों को पुनः पेश करने का प्रयास किए पुराने बयानों के आधार पर सजा सुनाना न्यायसंगत नहीं है।

सौतेले पिता ने बेच दी थी लड़की

मामले के अनुसार, एक नाबालिग लड़की को उसके सौतेले पिता द्वारा बेचने के बाद शिमलाबाई नामक महिला के सुपुर्द किया गया था, जिस पर बच्चों से चोरी कराने का आरोप था। एक विवाह समारोह में लड़की को चोरी के सामान के साथ पकड़े जाने पर निचली अदालत ने शिमलाबाई को 10 साल की सजा सुनाई थी। आरोपी महिला वर्ष 2014 में जमानत मिलने के बाद फरार हो गई थी, जिसकी अनुपस्थिति में अदालत ने पीड़िता और अन्य गवाहों के बयान



दर्ज किए थे। वर्ष 2021 में जब महिला अदालत में दोबारा पेश हुई, तो गवाहों का पता न चलने पर निचली अदालत ने पुराने बयानों के आधार पर ही उसे दोषी करार दे दिया था।

नए सिरे से सुनवाई के निर्देश

उच्च न्यायालय ने इस प्रक्रिया को त्रुटिपूर्ण मानते हुए निचली अदालत को कड़े निर्देश दिए हैं कि वह पीड़िता, उसकी मां और अन्य मुख्य गवाहों को अदालत में बुलाने का फिर से गंभीर प्रयास करे। अदालत को बचाव पक्ष के वकील के समक्ष नए सिरे से गवाहों के बयान दर्ज करने होंगे। यदि कोई गवाह उपस्थित नहीं होता है, तो धारा 299 के प्रावधानों को लागू करने से पहले अभियोजन पक्ष को अपनी बात रखने का पूरा अवसर दिया जाए और इस संबंध में स्पष्ट निष्कर्ष दर्ज किए जाएं। उच्च न्यायालय के इस आदेश से निष्पक्ष न्याय की उम्मीद फिर से जाग गई है।

दिलजीत दोसांझ का लाइव कॉन्सर्ट आज

बम धमकियों के बीच 500 जवानों का कड़ा पहरा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। प्रसिद्ध पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ का लाइव कॉन्सर्ट रविवार को इंदौर में आयोजित किया जाएगा। लगातार मिल रही बम ब्लास्ट की धमकियों के बावजूद यह आयोजन तय कार्यक्रम के अनुसार ही होगा। बायपास स्थित उ-21 एस्टेट के चार लाख वर्गफीट मैदान में भव्य स्टेज तैयार किया जा रहा है। शो को लेकर फैंस में जबरदस्त क्रेज है और अब तक 25 हजार से ज्यादा टिकट बिक चुके हैं, जिनकी कुल कीमत 7.17 करोड़ रुपए है। नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने बताया कि आयोजकों द्वारा एडवांस एंटरटेनमेंट टैक्स के रूप में करीब 70 लाख रुपए जमा करा दिए गए हैं।

मैं आऊंगा और सबसे पहले पोहा खाऊंगा।

तमाम धमकियों के बीच दिलजीत दोसांझ ने सोशल मीडिया पर इंदौर की मशहूर 'छप्पन दुकान' की पुरानी तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, मैं आऊंगा और सबसे



पहले पोहा खाऊंगा। उनकी इस पोस्ट ने फैंस का उत्साह दोगुना कर दिया है। हालांकि, कॉन्सर्ट से पहले महापौर सचिवालय, बैंकों और निजी स्कूलों को बम से उड़ाने के धमकी भरे ई-मेल मिले हैं, जिनमें बच्चों को कॉन्सर्ट में न भेजने की चेतावनी दी गई थी। एडीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि शुरूआती जांच में देवास की एक निजी कंपनी के कर्मचारी की हैक की गई ई-मेल आईडी, वीपीएन और अमेरिकी आईपी एड्रेस का इस्तेमाल सामने आया है। अब तक ये धमकियां फर्जी पाई गई हैं, फिर भी एहतियातन कोई ढिलाई नहीं बरती जा रही है।

सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस और एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अमरेंद्र सिंह ने बताया कि आयोजन स्थल पर त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के तहत 500 से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। इसके अलावा बम डिस्पोजल स्क्वॉड और क्राइम ब्रांच की टीमें दिन में तीन से चार बार पूरे मैदान की सघन चेकिंग कर रही हैं।

ट्रैफिक चालान वसूली:1140 लोगों के घर पहुंचेगी पुलिस

इंदौर। इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के चालानों की लगातार बढ़ती लंबित राशि यातायात पुलिस के लिए चिंता का विषय बन रही है। इन चालानों की वसूली के लिए योजना बनाई गई है। पहले चरण में ऐसे वाहन चालकों की सूची तैयार की गई है, जिन्होंने 20 से 25 बार या इससे अधिक यातायात नियमों का उल्लंघन किया है ऐसे 1140 वाहन चालक सामने आए हैं। अब लंबित चालानों की राशि वसूलने के लिए यातायात विभाग के अधिकारी और कर्मचारी इनके घर पहुंचेंगे।

जीतू पटवारी ने पत्नी संग दिव्यांग बच्चों के साथ मनाई दीपावली, स्वच्छता रैंकिंग में गिरावट पर मांगा जवाब

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने अपनी पत्नी रेणुका पटवारी के साथ इंदौर के रेडिसन होटल में दिव्यांग बच्चों के बीच दीपावली का उत्सव मनाया। इस विशेष कार्यक्रम में सैकड़ों दिव्यांग बच्चे शामिल हुए। पटवारी दंपती ने बच्चों के साथ आत्मीय समय बिताया, उनसे संवाद किया और अपने हाथों से भोजन भी परोसा। बच्चों के चेहरों पर त्योहार की खुशी और उत्साह साफ दिखाई दिया। अपनी नियमित राजनीतिक व्यस्तताओं से इतर पटवारी का यह पारिवारिक और संवेदनशील अंदाज पूरे आयोजन का मुख्य आकर्षण रहा।

महापौर और निगम पर तीखा हमला

कार्यक्रम के पश्चात मीडिया से चर्चा करते हुए जीतू पटवारी ने इंदौर की स्वच्छता रैंकिंग में आई गिरावट को लेकर महापौर



पुष्यमित्र भार्गव और नगर निगम परिषद पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जिस इंदौर ने वर्षों तक स्वच्छता के क्षेत्र में पूरे देश में अपनी एक अलग पहचान बनाई, उसका रैंकिंग में पिछड़ना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

पटवारी ने कहा कि सफाई कर्मचारियों की अथक मेहनत के बावजूद शहर का प्रदर्शन कमजोर हुआ है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी नगर निगम के जनप्रतिनिधियों और प्रशासन को लेनी चाहिए। दूषित पानी से 36 लोगों की मौत और यातायात अव्यवस्थाओं के कारण हो रही दुर्घटनाओं का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि महापौर को उपलब्धियां गिनाने के बजाय अहंकार छोड़कर जनता से माफी मांगनी चाहिए और मौजूदा नगर निगम परिषद को जितनी जल्दी हटाया जाए, शहर के लिए उतना ही बेहतर होगा।

शराब माफिया को पुलिस और प्रशासन का संरक्षण

इसके साथ ही, देवास में जहरीली शराब के मामले को लेकर भी पटवारी ने राज्य सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि वे इस गंभीर विषय पर मुख्यमंत्री को पत्र लिखेंगे। पटवारी ने आरोप लगाया कि प्रदेश में शराब माफिया को पुलिस और प्रशासन का संरक्षण प्राप्त है। उन्होंने सुझाव दिया कि जिन थाना क्षेत्रों में लंबे समय तक अवैध शराब और नशे का कारोबार फलता-फूलता है, वहां के थाना प्रभारियों की सीधी जवाबदेही तय कर उन्हें निलंबित किया जाना चाहिए।

अंत में, सोनिया गांधी की किताब पर प्रतिक्रिया देते हुए पटवारी ने इसे देश के राजनीतिक और ऐतिहासिक घटनाक्रमों की सच्चाई सामने रखने वाला एक महत्वपूर्ण दस्तावेज बताया और प्रधानमंत्री पद स्वीकार न करने के उनके फैसले को त्याग का अनुपम उदाहरण करार दिया।

नगर निगम के 10 साल वाले दैनिक वेतनभोगी होंगे नियमित

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। नगर निगम में लंबे समय से विनियमितीकरण की राह देख रहे दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए राहत भरी खबर है। 10 वर्ष की सेवा अवधि पूरी कर चुके सभी पात्र दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को नियमित करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का संकल्प पारित कर दिया है। इन कर्मचारियों को मध्यप्रदेश सरकार के वर्ष 2016 के सर्कुलर के प्रावधानों के तहत विनियमितीकरण का लाभ प्रदान किया जाएगा। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि दीपावली के अवसर पर और उससे पूर्व आयोजित महापौर परिषद की बैठक में निगम के सफाई मित्रों और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को यह लाभ देने की घोषणा की गई थी। अब निगम ने अपनी उसी घोषणा के अनुरूप कर्मचारियों की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करने की दिशा में यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इसके अंतर्गत शहर की स्वच्छता और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए दिन-रात कार्य करने वाले ऐसे सभी पात्र कर्मचारियों को शामिल किया जाएगा, जिन्होंने 10 साल की सेवा पूरी कर ली है लेकिन अब तक उन्हें विनियमितीकरण का लाभ नहीं मिल सका था। महापौर ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप पूर्व में 1650 कर्मचारियों के प्रकरणों में कार्रवाई की गई थी। प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के अनुसार समान पात्रता रखने वाले अन्य कर्मचारियों को भी समान राहत मिलनी चाहिए।

ज्ञान पंचमी एवं लाभ पंचमी पर भव्य ज्ञान आराधना

हजारों श्रद्धालुओं ने किए दर्शन-वंदन, ज्ञान मंदिर का निर्माण कर पवित्र शास्त्र विराजित

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। ज्ञान पंचमी, लाभ पंचमी एवं श्रुत पंचमी के पावन अवसर पर शनिवार को श्री केशरी वाटिका, एयरपोर्ट रोड, इंदौर में भव्य ज्ञान आराधना का आयोजन किया गया। इस पावन आयोजन में प.पू. गच्छाधिपति आचार्य भगवंत श्रीमद् विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी महाराज साहब, मुनिमंडल एवं साध्वी मंडल सहित कुल 20 ठाणा की पावन निश्रा प्राप्त हुई। आराधना के अंतर्गत केशरी वाटिका में विशेष रूप से ज्ञान मंदिर का निर्माण कर उसमें पवित्र शास्त्रों को विराजित किया गया।

सर्वप्रथम गच्छाधिपति गुरुदेव द्वारा शास्त्रों पर वासक्षेप किया गया। तत्पश्चात पांच धान्य, मिठाई एवं घी अर्पित कर श्रद्धालुओं ने 51 खमासमणपूर्वक ज्ञान मंदिर की परिक्रमा करते हुए ज्ञान की महिमा का गुणगान किया। इस अवसर पर मुनिराज श्री प्रशमसेन विजयजी म.सा. ने अपने कोकिल कंठ से



सुमधुर स्तवन प्रस्तुत कर उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में हिम्मत भाई के अध्यक्ष नेतृत्व में थराद श्रीसंघ एवं विजयजी मेहता के नेतृत्व में दलौदा श्रीसंघ सहित सैकड़ों यात्रियों ने गुरुदेव के दर्शन-वंदन एवं आराधना का लाभ लिया। सभी आगंतुकों का स्वागत संघ अध्यक्ष धनराज संघवी, चातुर्मास समिति अध्यक्ष नीरज सुराणा एवं सचिव महेंद्र बागवाला ने किया। इस पावन अवसर पर राजेंद्र कुमार रुणवाल, प्रभात जैन घंटाघरवाला, सुरेंद्र कुमार सुराणा, अनिल सकलेचा, दिनेश मेहता, रवि रांका, मुकेश कुमार पोसीत्रा, सनोज जैन, ललित जैन थांदला वाला एवं मनोज जैन सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे। चार आरती का लाभ राजेंद्र पूनमचंद रुणवाल ने लिया, वहीं ज्ञान आरती का लाभ जयेश डुंगरवाल कुक्षी ने प्राप्त किया। दिनभर हजारों श्रद्धालुओं ने इस पावन अवसर पर दर्शन-वंदन कर धर्मलाभ एवं ज्ञान आराधना का पुण्य अर्जित किया।

आज महाभिषेक, अष्टप्रकारी पूजा एवं लाभार्थियों का बहुमान

आयोजन के अगले क्रम में कल 15 नवंबर को प्रातः 7:30 बजे महाभिषेक एवं अष्टप्रकारी पूजा का भव्य आयोजन होगा। इसके पश्चात प्रातः 9 बजे से चातुर्मास की पूर्णाहुति के उपलक्ष्य में गुरुदेव के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन एवं चातुर्मास के समस्त लाभार्थियों का बहुमान समारोह आयोजित किया जाएगा।

पाकिस्तानी 'गोरी' ब्यूटी क्रीम के 300 से अधिक पैकेट जब्त

इंदौर। पाकिस्तान में निर्मित प्रतिबंधित 'गोरी' ब्यूटी क्रीम के अवैध कारोबार के खिलाफ इंदौर में औषधि नियंत्रण विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। विभाग के दल ने शहर के दो प्रमुख व्यापारिक ठिकानों पर छापा मारकर इस क्रीम के 300 से अधिक पैकेट जब्त किए हैं, जिनकी बाजार में कुल कीमत लगभग डेढ़ लाख रुपये आंकी गई है।

उप औषधि नियंत्रक नवनीत प्रताप सिंह ने बताया कि टीम ने पहले रानीपुरा स्थित 'द ब्यूटी बार' दुकान से कुछ पैकेट जब्त किए और इसके बाद छावनी क्षेत्र की 'पद्मश्री एजेंसी' पर कार्रवाई करते हुए 'मेड इन पाकिस्तान' लिखे 300 पैकेट बरामद किए। बिना अनुमति बेची जा रही इस पूरी खेप को जब्त कर सैंपल परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेज दिए गए हैं। गौरतलब है कि इस क्रीम से स्वास्थ्य पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ने के मामले सामने आ चुके हैं।

मधुमेह का कारण बदलती जीवनशैली, अंसुलित खानपान

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर इंडेक्स मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर द्वारा विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, सेमिनार और स्वास्थ्य परामर्श के माध्यम से लोगों को डायबिटीज (मधुमेह) के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में अस्पताल के एंडोक्राइनोलॉजी, मेडिसिन एवं नेत्र रोग विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में एंडोक्राइन विभाग के एचओडी डॉ. अजय गुप्ता और डॉ. अभ्युदय वर्मा ने सेमिनार के माध्यम से मधुमेह के प्रबंधन पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बदलती जीवनशैली, असंतुलित खानपान, शारीरिक गतिविधियों की कमी और मोटापा डायबिटीज के प्रमुख जोखिम कारकों में शामिल हैं। मधुमेह से बचाव और नियंत्रण के लिए संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, वजन पर नियंत्रण और समय-समय पर ब्लड शुगर की जांच जरूरी



है। उन्होंने मरीजों को आहार संबंधी परामर्श देते हुए बताया कि खानपान में सावधानी बरतकर और चिकित्सकीय सलाह का पालन करके बीमारी को नियंत्रित रखा जा सकता है।

मेडिसिन विभाग एचओडी डॉ.सुधीर मौर्य ने बताया कि डायबिटीज की बीमारी मरीज को शारीरिक ही नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से भी काफी नुकसान पहुंचाती है। लंबे समय तक बीमारी रहने पर मरीज को नियमित दवाइयों, जांच और उपचार पर खर्च करना पड़ता है।

डॉ. बुसरा खानम ने बताया कि कई बार मधुमेह के कारण मरीज को शारीरिक रूप से विभिन्न परेशानियों का सामना करना पड़ता है, जिससे उसकी दिनचर्या और जीवन की गुणवत्ता प्रभावित होती है। समय पर बीमारी की पहचान, नियमित जांच और उचित उपचार से इन परेशानियों को काफी हद तक कम किया जा सकता है।चिकित्सा अधीक्षक डॉ. स्वाति प्रशांत, डॉ. जीएस पटेल, एचओडी मेडिसिन डॉ. सुधीर मौर्य, डॉ. बुसरा खानम, एचओडी डॉ. सुधीर महाशब्दे, डॉ. आभा पंडित, डॉ. पंकज, डॉ. स्वाति सक्सेना और डॉ. सुप्रिया मुश्रीफ,डॉ.उषा भार्गव,डॉ.एकता और डॉ.नमन उपस्थित थे।

नेत्ररोग विभाग के एचओडी डॉ. सुधीर महाशब्दे ने बताया कि लंबे समय तक अनियंत्रित ब्लड शुगर रहने से आंखों की रेटिना पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। इससे डायबिटिक रेटिनोपैथी जैसी समस्या उत्पन्न हो सकती है, जो गंभीर स्थिति में आंखों की रोशनी को प्रभावित कर सकती है। इसलिए मधुमेह के मरीजों को नियमित रूप से आंखों की जांच करानी चाहिए। डॉ. सुप्रिया मुश्रीफ ने बताया कि समय पर बीमारी की पहचान और उपचार से मरीजों को गंभीर जटिलताओं, लंबे इलाज और आर्थिक बोझ से बचाया जा सकता है। डॉ. स्वाति सक्सेना ने कहा कि डायबिटीज को लेकर लापरवाही न बरतें और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में नामांतरण आवेदक/विक्रेता प्रस्तुत किया गया है। आवेदक **श्री सिद्धार्थ देशमुख** क्रेता **श्री के. बालाजी सिंह** पता **129 विद्यानगर, 203, शिवम अपार्टमेंट, इंदौर** पिन **1001140924**, झोन क्र. 13 इस जाहिर सूचना प्रकाशन दिनांक **15.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 13 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 13 नगर पालिका निगम इंदौर

संस्कृति से बड़ी कोई विरासत नहीं: मुख्यमंत्री डॉ. यादव का ओजस्वी संदेश

जबलपुर में गूंजा धरती आबा का जयघोष, जनजातीय गौरव सप्ताह का भव्य आगाज

मृदुभाषी। भोपाल

देश के महान क्रांतिकारी, जननायक और धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित गैरिसन ग्राउंड में 'जनजाति गौरव सप्ताह' का भव्य राज्य स्तरीय आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शिरकत करते हुए भगवान बिरसा मुंडा के अमर बलिदान को नमन किया और कहा कि उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में स्पष्ट किया कि भगवान बिरसा मुंडा को जितने भी अलंकरण दिए जाएं, वे कम हैं क्योंकि उन्होंने मात्र 25 वर्ष की अल्पायु में स्वदेश, स्वधर्म, स्वाभिमान और समाज में अनुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी थी।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा ने अपनी पहचान और संस्कृति के लिए समाज को जागरूक और संगठित होने की सीख दी थी। उनका यह कथन आज भी प्रासंगिक है कि 'संस्कृति से बड़ी कोई विरासत नहीं और स्वाभिमान से बड़ा कोई गौरव नहीं।' मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि कैसे उस दौर में जब अंग्रेजी साम्राज्य में कभी सूर्यास्त नहीं होता था, तब भगवान बिरसा मुंडा ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का बिगुल फूंका और वे जनजातीय समाज पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ न्याय के दीपक बने। इस गरिमामयी समारोह का मुख्य आकर्षण मुख्यमंत्री डॉ. यादव की जनजातीय संस्कृति के प्रति गहरी आत्मीयता और सहभागिता रही। मंच पर मुख्यमंत्री को पारंपरिक साफा बांधकर और तीर-कमान भेंटकर सम्मानित किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने खुद जनजातीय परिधान धारण कर पारंपरिक ढोल बजाया, जिससे उपस्थित जनसमुदाय में भारी उत्साह फैल गया। इस अनूठी पहल के जरिए उन्होंने लोककला, परंपरा और जनजातीय संस्कृति के प्रति अपने खुले सम्मान और जुड़ाव का संदेश दिया। समारोह के दौरान देश-विदेश में अपनी प्रतिभा और कौशल से मध्य प्रदेश का नाम रोशन करने वाली कई विशिष्ट जनजातीय प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने जल संरक्षण के लिए उजियारो बाई, हैदराबाद आर्ट एग्जीबिशन में चमकने वाली पूर्णिमा पुसरे, 10वीं बोर्ड में प्रदेश की मेरिट सूची में 8वां स्थान पाने वाली पूजा धुर्वे, और अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलीट जमना उइके को शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया। इसके अलावा पैर से लिखने वाली दिव्यांग द्रौपदी धुर्वे, पीएचडी स्कॉलर और रिकॉर्ड होल्डर राम किशोर सिरसाम, वॉलीबॉल गोल्ड मेडलिस्ट हिमांशु परते तथा गोंडवाना लोक साहित्यकार डॉ. टी.आर. बरकड़े को भी मंच पर सम्मानित किया गया। साथ ही, जनजातीय युवाओं को राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत प्रोत्साहन राशि वितरित की गई। मुख्यमंत्री ने मध्य प्रदेश के गौरवशाली इतिहास को याद करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक जबलपुर में और दूसरी कटनी के पास संग्रामपुर में रानी दुर्गावती को समर्पित करते हुए आयोजित की थी। समाज में स्वाभिमान की अलख जगाने वाले राजा शंकर शाह-रघुनाथ शाह के नाम पर मेडिकल कॉलेज की स्थापना की जा रही है। खरगोन में क्रांतिसूर्य टंट्या मामा और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व का नाम राजा भभूत सिंह के नाम पर रखा गया है। भीमा नायक, ख्वाजा नायक और बादल भोई जैसे वीरों की गाथाएं आज की युवा पीढ़ी के लिए राष्ट्रभक्ति का बड़ा स्रोत हैं।



महाकौशल और विंध्य क्षेत्र के विकास को मिलेगी नई गति

राज्य सरकार की प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जनजातीय नायकों के योगदान और उनके आदर्शों को घर-घर तक पहुंचा रही है। इसी कड़ी में जबलपुर को 133 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक छात्रावास और विद्यालयों की सौगात मिली है। भगवान कृष्ण और सुदामा की मित्रता के प्रतीक के रूप में राज्य में सांदीपनि विद्यालय खोले जा रहे हैं, और इसी क्रम में छिंदवाड़ा, डिंडोरी तथा बालाघाट में 85 करोड़ रुपये की लागत से नए सांदीपनि विद्यालय बनाए जाएंगे। साथ ही डिंडोरी में आयुर्वेदिक महाविद्यालय और मंडला में नए मेडिकल कॉलेज के निर्माण से क्षेत्र में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हो रहा है।

केंद्र और राज्य सरकार के साझा प्रयासों से बदल रही है जनजातीय की तस्वीर

कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री संपतिया उइके ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2014 के बाद से देश के जनजातीय नायकों को उचित सम्मान दिलाना और समाज को मुख्यधारा से जोड़ना शुरू किया है। भगवान बिरसा मुंडा ने समाज में व्याप्त नशाखोरी और अंधविश्वास के खिलाफ अलख जगाकर शिक्षा को बढ़ावा दिया था। आज प्रधानमंत्री जनमन योजना और धरती आबा अभियान के माध्यम से करोड़ों रुपये के विकास कार्य धरातल पर उतर रहे हैं, जिससे प्रदेश के जनजातीय अंचलों में विकास की नई बयार बह रही है।

कलेक्टर ने दिए सख्त कार्रवाई के निर्देश

प्राथमिक विद्यालय बदरचुआ में मध्यान्ह भोजन खाने से बच्चों की बिगड़ी तबीयत



मृदुभाषी। शहडोल

शहडोल जिले के ब्यौहारी विकासखंड अंतर्गत शासकीय प्राथमिक विद्यालय बदरचुआ में मध्यान्ह भोजन करने के बाद कई बच्चों की तबीयत बिगड़ने का गंभीर मामला सामने आया है, जहां भोजन करने के उपरांत एक बच्चे को उल्टी होने लगी जबकि अन्य बच्चों ने पेट में तेज दर्द की शिकायत की, जिसके बाद सूचना मिलते ही सभी प्रभावित बच्चों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ब्यौहारी पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने उनका सफल उपचार किया और फिलहाल सभी बच्चों की स्थिति पूरी तरह सामान्य होने के बावजूद उन्हें एहतियात के तौर पर अस्पताल की निगरानी में रखा गया है।

इस पूरे घटनाक्रम को कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने बेहद गंभीरता से लेते हुए जनपद पंचायत ब्यौहारी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और बीआरसी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के कड़े निर्देश दिए हैं, साथ ही संबंधित स्व-सहायता समूह को मध्यान्ह भोजन के कार्य से तत्काल प्रभाव से पृथक करने और पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर इसमें स्पष्ट जिम्मेदारी तय करने के भी निर्देश दिए हैं। एसडीएम अर्चना मिश्रा और तहसीलदार गैलेक्सी नागपुरे द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन के अनुसार, घटना दिवस यानी 14 नवंबर को विद्यालय में कुल 15 विद्यार्थी उपस्थित थे जिन्हें 'स्वाती स्व-सहायता समूह' द्वारा तैयार दाल-चावल परोसा गया था, जबकि हकीकत यह थी कि जिला पंचायत द्वारा पूर्व में ही 23 सितंबर को आदेश जारी कर इस पुराने समूह को मध्यान्ह भोजन के कार्य से हटाते हुए 'नव जमुना स्व-सहायता समूह' को इसकी जिम्मेदारी सौंप दी गई थी और 28 सितंबर को जनशिक्षक के माध्यम से यह आदेश प्रधानाध्यापक तथा संबंधित समूह को व्हाट्सएप पर भी आधिकारिक रूप से भेज दिया गया था। इसके बावजूद पुराने समूह ने नए समूह को विधिवत प्रभार नहीं सौंपा और अपनी मनमानी जारी रखते हुए भोजन बनाने का काम जारी रखा, वहीं घटना के दिन प्रधानाध्यापक सीताशरण सिंह ब्यौहारी में आयोजित शैक्षिक संवाद में शामिल होने गए हुए थे और विद्यालय में केवल अतिथि शिक्षक दुर्गा गुप्ता मौजूद थीं, जिसे प्रतिवेदन में समूह परिवर्तन के आदेश का कड़ाई से पालन न कराने और इस गंभीर प्रशासनिक लापरवाही की जानकारी समय पर उच्च अधिकारियों को न देने के लिए पूरी तरह जिम्मेदार माना गया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए बच्चों को परोसे गए भोजन के नमूने सुरक्षित जांच के लिए खाद्य विभाग की प्रयोगशाला में भेज दिए गए हैं, इसके अलावा रसोईघर में रसोइयों द्वारा स्वच्छता संबंधी दिशा-निर्देशों के पालन की भी गहराई से जांच की जा रही है, और कलेक्टर ने दो टूक शब्दों में स्पष्ट कर दिया है कि मासूम बच्चों के स्वास्थ्य और उनकी सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले किसी भी स्तर के मामलों में शासन-प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

भोपाल में अंतरराज्यीय गांजा तस्करी गिरोह का भंडाफोड़



मृदुभाषी। भोपाल

ओडिशा से ट्रेन के जरिए भोपाल में गांजे की खेप पहुंचाकर शहर में महिलाओं के माध्यम से उसकी सप्लाई करने वाले एक नशा तस्करी नेटवर्क का गौतम नगर थाना पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर घेराबंदी कर एक पुरुष और दो महिलाओं को गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से कुल 8 किलो 269 ग्राम गांजा बरामद किया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब सवा तीन लाख रुपये आंकी गई है।

कार्रवाई की जानकारी के अनुसार, गौतम नगर थाना पुलिस को गांजा तस्करी की पुख्ता सूचना मिली थी, जिसके बाद अटल अय्यूब नगर स्थित रेलवे कैबिन के पास घेराबंदी की गई और गुरुवार को पिट्ठू बैग लेकर जा रहे हनुमानगंज क्षेत्र में धर्मकांटा के पास रहने वाले 35 वर्षीय कैलाश कुशवाह उर्फ राजेश उर्फ बड़े को हिरासत में लिया गया। तलाशी के दौरान उसके बैग से 4 किलो 104 ग्राम गांजा बरामद हुआ और पुलिस ने उसका मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया। पूछताछ में कैलाश ने स्वीकार किया कि वह गांजे की यह खेप ओडिशा से ट्रेन के जरिए लेकर आया था और भोपाल रेलवे स्टेशन से बाहर निकलते ही पुलिस के हत्थे चढ़ गया। आरोपी के खुलासे के आधार पर पुलिस ने आगे की कार्रवाई करते हुए नारियलखेड़ा के पास घेराबंदी कर दो महिलाओं—28 वर्षीय पूजा राठौर और 26 वर्षीय सपना वंशकार को गिरफ्तार किया, जिनके कब्जे से 4 किलो 165 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में सामने आया है कि दोनों महिलाएं कैलाश कुशवाह से गांजा लेकर शहर में आगे सप्लाई करने जा रही थीं।

भोपाल में दीपावली मिलन के बहाने नकुलनाथ की सक्रियता

नाथ के समर्थकों ने लगाए 'भावी मुख्यमंत्री' के नारे

मृदुभाषी। भोपाल

भोपाल में शनिवार को पूर्व सांसद नकुलनाथ ने दीपावली मिलन समारोह के बहाने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच अपनी जबरदस्त सक्रियता दिखाई। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के सरकारी आवास पर दीपावली मिलन, पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती और कमलनाथ के जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रदेशभर से बड़ी संख्या में पूर्व मंत्री, सांसद, विधायक और कांग्रेस कार्यकर्ता जुटे। इससे पहले भोपाल एयरपोर्ट पर नकुलनाथ के भव्य स्वागत के दौरान उत्साहित समर्थकों ने 'हमारा सीएम कैसा हो, नकुल भैया जैसा हो' के नारे भी लगाए।

समारोह से पूर्व नकुलनाथ ने रोशनपुरा चौराहे पहुंचकर पंडित जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया, जिसके बाद कार्यक्रम स्थल पर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी और पीसीसी अध्यक्ष जीतू पटवारी के साथ मिलकर सोनिया गांधी की पुस्तक का अनावरण किया। कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए नकुलनाथ ने कहा कि कांग्रेस का हर कार्यकर्ता महत्वपूर्ण है और पूरी पार्टी एकजुट है। वहीं, खुद को भावी मुख्यमंत्री बनाने की मांग और समर्थन में लगे पोस्टरों के सवाल पर उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका पहला प्यार छिंदवाड़ा है और मुख्यमंत्री कौन बनेगा, इसका फैसला पार्टी नेतृत्व करेगी। इस दौरान उन्होंने छिंदवाड़ा में विकास कार्यों को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि वहां भाजपा सांसद बनने के बाद से अब तक एक भी सड़क नहीं बनी है और देश में ट्रिपल इंजन की सरकार होने के बावजूद छिंदवाड़ा में विकास पूरी तरह ठप है। कार्यक्रम में विधायक जयवर्धन सिंह सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे, जहां पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने इसे नकुलनाथ की रीलॉन्चिंग बताए जाने के भाजपा के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि वे पांच साल तक सांसद रह चुके हैं, इसलिए उनकी लॉन्चिंग की बात बेमानी है, और पीएसी की बैठकों में गैरमौजूदगी पर वे संबंधित नेताओं को पहले ही कारण बता देते हैं। दूसरी ओर, कमलनाथ की राजनीतिक विरासत को लेकर पूर्व मंत्री एवं विधायक लखन घनघोरिया ने कहा कि यह स्वाभाविक रूप से नकुलनाथ के ही हाथ में होगी।



होटल में पहचान छिपाकर ठहरे थे युवक-युवती

मृदुभाषी। भोपाल

होटल में पहचान छिपाकर कमरा लेने और पकड़े जाने के डर से खिड़की के रास्ते भागने की कोशिश का मामला सामने आया है। ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित हिमतारा होटल में ठहरे एक मुस्लिम युवक और हिंदू युवती ने कथित तौर पर पहचान छिपाने के लिए युवती की मुस्लिम नाम से बनी फर्जी आईडी का इस्तेमाल किया था। इसकी सूचना मिलने पर हिंदू संगठन के कार्यकर्ता होटल पहुंच गए। कार्यकर्ताओं को कमरे के बाहर देखकर युवक-युवती घबरा गए। दोनों ने दरवाजे से बाहर निकलने के बजाय खिड़की से टीन शेड पर छलांग लगा दी और वहां से भागने लगे। करीब 50 फीट तक शेड पर आगे जाने के बाद रास्ता खत्म हो गया। आगे बढ़ने पर नीचे गिरने का खतरा देख दोनों वापस लौट आए। इसी दौरान कार्यकर्ताओं ने युवक को पकड़ लिया। इसके बाद उसकी पिटाई कर पुलिस के हवाले कर दिया गया। घटना 12 नवंबर की शाम की है। हालांकि, 14 नवंबर को इससे जुड़े तीन वीडियो सामने आने के बाद मामला चर्चा में आया। हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं को हिमतारा होटल में एक युवक और युवती के ठहरने की सूचना मिली थी। इसके बाद कार्यकर्ता होटल पहुंचे और संबंधित कमरे का दरवाजा खटखटाया। अंदर मौजूद युवक-युवती को जब बाहर कार्यकर्ताओं के होने का पता चला तो उन्होंने दरवाजे से निकलने के बजाय खिड़की से भागने की कोशिश की।

डेढ़ साल से पानी की बूंद तक नहीं निगल पा रहा था युवक, डॉक्टरों ने बड़ी आंत से बना दी नई भोजन नली

मृदुभाषी। भोपाल



भोपाल में डॉक्टरों ने चिकित्सा क्षेत्र की एक जटिल चुनौती को सफलतापूर्वक पार किया है। एसिड पीने से 25 वर्षीय युवक की आहार नली पूरी तरह नष्ट हो गई थी। हालत ऐसी थी कि वह पिछले डेढ़ साल से मुंह के रास्ते न खाना खा पा रहा था और न ही पानी पी सकता था। आखिरकार बीएमएचआरसी के डॉक्टरों ने बड़ी आंत का करीब 20 सेंटीमीटर हिस्सा निकालकर उससे नई आहार नली तैयार कर दी। जटिल सर्जरी के बाद अब युवक दोबारा मुंह से भोजन करने लगा है। मरीज ने करीब डेढ़ साल पहले एसिड पी लिया था। इससे उसकी आहार नली बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और धीरे-धीरे पूरी तरह बंद हो गई। डॉक्टरों ने एंडोस्कोपी के जरिए बंद नली खोलने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। आहार नली पूरी तरह बंद होने के कारण स्टेंट डालने का विकल्प भी नहीं था। मरीज को पोषण देने के लिए छोटी आंत तक पहुंचने वाला वैकल्पिक रास्ता बनाया गया था। इसके जरिए तरल भोजन दिया जा रहा था, लेकिन यह स्थायी समाधान नहीं था। बीएमएचआरसी के उदर रोग शल्यक्रिया विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. प्रमोद वर्मा के मुताबिक, एसिड से मरीज का आमाशय भी क्षतिग्रस्त हो चुका था। ऐसे में आमाशय से नई आहार नली बनाना संभव नहीं था। डॉक्टरों ने बड़ी आंत के स्वस्थ हिस्से का इस्तेमाल करने का फैसला किया। सर्जरी के दौरान बड़ी आंत का करीब 20 सेंटीमीटर हिस्सा सावधानी से अलग किया गया। उसकी रक्त आपूर्ति सुरक्षित रखते हुए उसे ऊपर ले जाकर आहार नली के स्वस्थ हिस्से से जोड़ा गया। दूसरे सिरे को छोटी आंत से जोड़कर भोजन के लिए नया रास्ता तैयार किया गया। बड़ी आंत के बचे हुए हिस्से को भी दोबारा जोड़ दिया गया। इस जटिल प्रक्रिया को चिकित्सा भाषा में कोलोनिक इंटरपोजिशन फॉर ईसोफेजियल रिप्लेसमेंट कहा जाता है। सीटीवीएस विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. गिरिराज गर्ग ने बताया कि सर्जरी में सबसे बड़ी चुनौती बड़ी आंत के हिस्से को निर्धारित रास्ते से ऊपर ले जाकर सुरक्षित तरीके से जोड़ना था। पुरानी एसिड इंजरी के कारण ऊतकों में आए बदलावों ने ऑपरेशन को और चुनौतीपूर्ण बना दिया था। उदर रोग शल्यक्रिया और सीटीवीएस विभाग की संयुक्त टीम ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। सर्जरी के बाद मरीज ने दोबारा मुंह से भोजन लेना शुरू कर दिया है। उसे अस्पताल से छुट्टी भी दे दी गई है। उपचार आयुष्मान भारत योजना के तहत पूरी तरह निःशुल्क किया गया। बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डॉ. मनीषा श्रीवास्तव ने कहा कि इस तरह की सर्जरी बेहद जटिल होती है।



सम्पादकीय

कीमतों को काबू करना हो प्राथमिकता

बीते माह देश में खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों में उछाल से महंगाई दो साल के ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। यह स्पष्ट है कि देश के केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति महंगाई को काबू में रखने में विफल रही है। चिंता की बात है यह महंगाई दर रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित छह फीसदी की तय अधिकतम सीमा को पार कर गई है। इसके साथ ही दिसंबर में होने वाली मौद्रिक नीति निर्धारण करने वाली कमेटी की बैठक में नीतिगत ब्याज दर में एक और बढ़ोतरी की आशंका बलवती हुई है। उल्लेखनीय है कि अक्तूबर में भी आरबीआई ने रेपो रेट में 25 आधार अंक का इजाफा किया था। पिछले एक साल से लगातार बढ़ रही खुदरा महंगाई का दो साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचना बताता है कि लोगों की क्रय शक्ति क्षमता में कमी आई है। जाहिर है इसका दबाव घरेलू बजट पर पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की तरफ से गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, बीते माह उपभोक्ता मूल्य सूचकांक यानी सीपीआई के आधार पर खुदरा महंगाई दर 6.09 प्रतिशत तक जा पहुंची है। जिसके चलते अगले माह की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में रेपो रेट बढ़ने की संभावना फिर प्रबल हो गई है। आशंका है कि इससे उपभोक्ताओं के घर व वाहन आदि के लोन की मासिक किस्ते लंबे समय तक ऊंची बनी रह सकती हैं। उल्लेखनीय है कि खाद्य पदार्थों की कीमतों, जिनकी मूल्य सूचकांक निर्धारण में चालीस फीसदी की हिस्सेदारी होती है, की महंगाई बढ़ाने में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। देश में सब्जियां, दालें और किराना का अन्य सामान महंगा हो गया है। वहीं अनाज, तिलहन और चीनी की कीमतों पर भी दबाव बना हुआ है। यहां उल्लेखनीय है कि अक्तूबर माह में खाद्य महंगाई दर बढ़कर 8.94 फीसदी हो गई है। यही वजह है कि लोगों को आशंका है कि उनके लिये आने वाली सर्दियों में मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

यूं तो महंगाई आजकल, वैश्विक उथल-पुथल और आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने के कारण विश्वव्यापी समस्या हो गई है। खासकर रूस व यूक्रेन तथा खाड़ी में जारी संघर्ष के चलते पेट्रोलियम पदार्थों व उनसे बनने वाले उत्पादों की आपूर्ति बाधित हुई है। लेकिन भारत में बढ़ती महंगाई के कारणों में मौसम की संवेदनशीलता व मुद्रास्फीति भी शामिल है। उल्लेखनीय है कि देश में घरेलू महंगाई दर लगातार बारहवें महीने बढ़ी है। खाने-पीने की चीजों के अलावा, इसमें परिवहन से जुड़े खर्च, कपड़े,आवास और भोजन से जुड़ी सेवाओं का भी योगदान रहा है। हालांकि, खाड़ी संघर्ष में स्थितियां सामान्य होने की ओर बढ़ने के बाद तेल की कीमतों में कुछ गिरावट आई है। यद्यपि, सीधे तौर पर उपभोक्ताओं को इसका लाभ न मिला हो,लेकिन दामों में कमी अपरोक्ष रूप से कुछ राहत देने वाली जरूर है। इसके बावजूद महंगाई का दबाव बना रहेगा। हालांकि, आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि मुख्य महंगाई दर अभी अपने चरम पर नहीं पहुंची है, जो कमजोर और असमान मानसून के असर को दर्शाती है। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि वैश्विक स्तर पर खाने-पीने की चीजों की बढ़ती कीमतों ने घरेलू बाजार पर दबाव बढ़ा ही दिया है। निस्संदेह, यह चिंताजनक स्थिति जरूर है, लेकिन कुल मिलाकर तस्वीर में कुछ उम्मीद भी नजर आ रही है। वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में जीडीपी का 7.7 रहने का अनुमान लगाया जा रहा है। इसमें दो राय नहीं कि आम आदमी के लिये यह स्थिति कष्टकारी हो सकती है। एक आम उपभोक्ता के लिये बढ़ती महंगाई के मायने जरूरी चीजों पर खर्च कम करना हो सकता है। ऐसे में कीमतों को स्थिर रखने की जरूरत और भी बढ़ जाती है।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स हादसे ने उठाए सवाल

डॉ. संजय वर्मा

तमिलनाडु के होसुर स्थित टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स कारखाने में दम घुटने से तीन संविदा श्रमिकों की मौत ने भारत के विनिर्माण क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह कारखाना ऐपल आईफोन के पुर्जे बनाता है। उप-ठेकेदार के माध्यम से काम पर रखे गए इन श्रमिकों की मौत अपशिष्ट जल शोधन टैंक की सफाई करते समय हुई। यह घटना विशेष रूप से इसलिए चिंताजनक है कि मई 2025 में तिरुपुर की एक रंगाई इकाई में सीवेज टैंक की सफाई करते समय तीन श्रमिकों की मौत हो गई थी।

इस तरह की दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति कारखानों में सुरक्षा व्यवस्था में कई कमियों की ओर इशारा करती है। औद्योगिक टैंकों और अन्य बंद स्थानों की सफाई के लिए पहले से ही जोखिम का आकलन, गैस परीक्षण, पर्याप्त हवा, उपयुक्त सुरक्षा उपकरण और आपात स्थिति से निपटने में सक्षम प्रशिक्षित व्यक्तियों की आवश्यकता होती है। होसुर की घटना बड़े विनिर्माण प्रतिष्ठानों में खंडित जवाबदेही पर भी सवाल उठाती है, जहां रखरखाव और सहायक कार्यों को अक्सर कई ठेकेदारों के माध्यम से आउटसोर्स किया जाता है। हालांकि श्रमिकों को उप-ठेकेदार द्वारा काम पर रखा गया था, लेकिन बड़ा विनिर्माण प्रतिष्ठान कार्यस्थल पर सुरक्षा को अपने संचालन से पूरी तरह से अलग मुद्दा नहीं मान सकता।

औद्योगिक दुर्घटनाओं के संबंध में भारत का रिकॉर्ड इन चिंताओं को और पुष्ट करता है। कारखाना परामर्श सेवा एवं श्रम संस्थान के महानिदेशालय के अनुसार, पंजीकृत कारखानों ने 2023 में 1,090 मौतों की सूचना दी। इससे भी अधिक महत्त्वपूर्ण बात यह है कि 2014-23 के दौरान गैस रिसाव के कारण 338 लोगों की जान गईं, जो यह दर्शाती है कि ऐसी घटनाएं न तो नई हैं

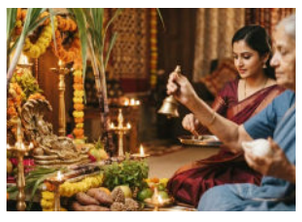


और न ही अपरिचित। प्रवर्तन क्षमता भी एक चिंता का विषय है। वर्ष 2023 में भारत में स्वीकृत 974 पदों के मुकाबले केवल 630 कार्यरत कारखाना निरीक्षक थे। नवंबर 2025 में लागू हुई चार श्रम संहिताएं इनमें से कुछ कमियों को दूर करने के लिए एक ढांचा प्रदान करती हैं। व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य परिस्थितियां संहिता, 2020, नियोक्ताओं पर सुरक्षित कार्यस्थलों को बनाए रखने और श्रमिकों को व्यावसायिक खतरों से बचाने के लिए व्यापक दायित्व डालती हैं। महत्त्वपूर्ण बात यह है कि इसके प्रावधान प्रत्यक्ष रूप से नियोजित कर्मियों से आगे बढ़कर संविदा श्रमिकों को भी शामिल करते हैं। हालांकि, केवल सांविधिक प्रावधान ही दुर्घटनाओं को नहीं रोक सकते। इनकी प्रभावशीलता ठेकेदार और उप-ठेकेदार की व्यवस्था के निरीक्षण, प्रवर्तन और जवाबदेही पर निर्भर करती है। इस तरह की घटनाओं के परिणाम श्रमिकों की सुरक्षा से कहीं अधिक व्यापक होते हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा चीन से बाहर उत्पादन में विविधता लाने के कारण भारत खुद को एक वैकल्पिक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित कर रहा है। विशेष रूप से ऐपल की विस्तारित भारतीय आपूर्ति श्रृंखला, घरेलू निर्माताओं को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में एकीकृत करने का एक महत्त्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करती है। हालांकि, कारखानों में आग लगने, श्रम विवादों, पर्यावरण उल्लंघनों और कार्यस्थल पर होने वाली मौतों जैसी बार-बार होने वाली घटनाएं परिचालन में विश्वसनीयता की धारणा को प्रभावित कर सकती हैं। दुर्घटनाएं उत्पादन को बाधित कर सकती हैं, अनुपालन और बीमा लागत बढ़ा सकती हैं, नियामक जांच को आमंत्रित कर सकती हैं और बहुराष्ट्रीय कंपनियों को प्रतिष्ठा संबंधी जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है। यह मान लेना गलत है कि केवल वित्तीय प्रोत्साहन और कम उत्पादन लागत ही वैश्विक विनिर्माण नेटवर्क में भारत की स्थिति को सुरक्षित कर देंगे। खतरनाक कार्यों के लिए जोखिम का अनिवार्य आकलन, सीमित स्थानों में प्रवेश के लिए परमिट, गैस निगरानी, आपातकालीन बचाव व्यवस्था और नियमित स्वतंत्र ऑडिट आवश्यक हैं। खतरनाक सफाई और रखरखाव कार्यों में मशीनीकरण बढ़ाने से श्रमिकों को जोखिमों से बचाया जा सकता है। कारखानों के निरीक्षण की क्षमता बढ़ाना और औद्योगिक दुर्घटनाओं की रिपोर्टिंग में सुधार करना भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है। इसलिए, श्रमिक सुरक्षा केवल कंपनी की जिम्मेदारी या श्रम नियमों का मामला नहीं है बल्कि यह उत्पादकता, परिचालन की निरंतरता और निवेश के प्रति विश्वास का अभिन्न अंग भी है।

धर्म-ज्योतिष

शंख और घंटी बजाकर योगनिद्रा से क्यों जगाए जाते हैं भगवान विष्णु

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि का विशेष महत्व माना जाता है। यह व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है। सभी एकादाशियों तिथि में से देवउठनी एकादशी तिथि का श्रेष्ठ मानी जाती है, क्योंकि इस दिन जगत के पालनहार चार महीने में योगनिद्रा से जागते हैं और इस दिन से ही चतुर्मास की समाप्ति हो जाती है। देवउठनी एकादशी से विवाह और मांगलिक कार्यों की शुरुआत हो जाती है। इस पावन रात को घरों और मंदिरों में शंख, घंटियां, थाली और सूप बजाकर भगवान विष्णु को जगाने की अनोखी और सदियों पुरानी परंपरा निभाई जाती है। ज्यादातर लोगों के मन में यही सवाल आता है कि भगवान विष्णु को शंख, घंटियां, थाली और सूप बजाकर क्यों उठाया जाता है और इसके पीछे की क्या वजह, आपको बताते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी के दिन भगवान विष्णु क्षीरसागर में शयन करने चले जाते हैं। इस अवधि में संसार का संचालन भगवान शिव संभालते हैं। पूरे 4 महीने बाद जब विष्णु जी के जागने का समय होता है।



समसामयिक

लोकतंत्र में लोकसेवकों की राजशाही मानसिकता

लगभग दस साल पुरानी बात है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के आरा में एक चुनावी रैली में जनता से पूछा था, 'बताइए, कितने का पैकेज दूं?' और फिर खुद ही बोली लगाने वाले अंदाज़ में उन्होंने साठ हज़ार करोड़, सत्तर हज़ार करोड़ कहते हुए सवा लाख करोड़ रुपये देने की घोषणा की थी। दूसरे दिन अख़बारों के पहले पन्ने पर बड़े-बड़े अक्षरों में छपा था—प्रधानमंत्री ने बिहार की जनता को सवा लाख करोड़ रुपये की सौगात दी।

यह पहली बार नहीं था, जब किसी प्रधानमंत्री ने इस तरह की सौगात देने की घोषणा की थी, और न ही यह आख़िरी बार थी। इसके बाद तो प्रधानमंत्री की तर्ज़ पर सौगात बांटने का यह नुस्खा राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी अपना लिया। अख़बारों में और टीवी पर बड़े-बड़े विज्ञापन देकर इस 'सौगात' की घोषणा की जाती है। ये विज्ञापन देखकर कई बार तो लगता है कि जनता को सौगात देने से ज़्यादा राशि इस घोषणा के विज्ञापनों पर खर्च हो जाती होगी! प्रधानमंत्री अथवा मुख्यमंत्री द्वारा अपने देश या राज्य की जनता को इस तरह



के आर्थिक अनुदान देने और इसकी घोषणा करने में कुछ नया नहीं है। कुछ ग़लत भी नहीं है, सिवाय इसके कि यह राशि, जिसे सौगात कहकर प्रचारित किया जाता है, प्रधानमंत्री अथवा मुख्यमंत्रियों के किसी निजी खाते से नहीं बांटी जाती। तो फिर इसे इस तरह भुनाने की कोशिश क्यों होती है?

था कोई राजे-महाराजाओं का ज़माना, जब शासक अपनी प्रजा को ख़ैरात बांटा करते थे। अब न कोई किसी का शासक है और न ही कोई किसी की प्रजा। हमारा भारत अब एक गणतंत्र है, जिसमें कुर्सी पर भले ही कोई बैठा हो, पर असली शासक जनता ही होती है। हर नागरिक का एक वोट है और हर वोट की कीमत समान है—वोट चाहे राजा का हो या फ़कीर का! लेकिन आरा में प्रधानमंत्री द्वारा सौगात देने की उस घोषणा और जिस तरह आज राज्यों के मुख्यमंत्री ख़ैरात बांटने की घोषणाएं करते हैं तथा जनता के हक़ की राशि को 'सौगात' कहा जाता है, उससे लगता है कि हमारे वोट से सत्ता संभालने का अधिकार पाने वाले हमारे 'शासक' शायद स्वयं को राजा-महाराजाओं जैसा शासक ही मानने लगे हैं। हाल ही में दशहरे के अवसर पर एक भूतपूर्व राजा ने राजाओं जैसी वेशभूषा पहनकर शायद यही दिखलाना चाहा था कि वे अब भी राजा हैं!

देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने स्वयं को जनता का सेवक बताया था। अब भी प्रधानमंत्री और मंत्री स्वयं को जनता का सेवक तो बताते हैं, पर उनकी सोच और व्यवहार उन राजाओं जैसा ही दिखता है, जो स्वयं को अपनी प्रजा का पालक मानते थे।

व्यापार

सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर

यस बैंक के 8,415 करोड़ के AT-1 बॉन्ड विवाद में नया मोड़

मृदुभाषी। नई दिल्ली

देश के बैंकिंग इतिहास के सबसे बड़े वित्तीय विवादों में शुमार 8,415 करोड़ के एडिशनल टियर-1 (AT-1) बॉन्ड मामले में एक नया मोड़ आ गया है। निजी क्षेत्र के यस बैंक ने सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार (रिव्यू) याचिका दाखिल कर शीर्ष अदालत के 15 अक्टूबर के उस आदेश की समीक्षा की मांग की है, जिसमें बॉम्बे हाईकोर्ट के 20 जनवरी 2023 के फैसले के खिलाफ दायर अपीलों को खारिज कर दिया गया था।

गौरतलब है कि एडिशनल टियर-1 बॉन्ड बैंकों द्वारा अपना पूंजी आधार मजबूत करने के लिए जारी किए जाने वाले परपेचुअल (अनंत काल वाले) बॉन्ड होते हैं, जो पारंपरिक बॉन्ड से अधिक जोखिम भरे होने के साथ-साथ ऊंची ब्याज दर देते हैं और गंभीर वित्तीय संकट आने पर आरबीआई बैंकों को इन्हें रद्द करने का निर्देश दे सकता है। इसी कड़ी में मार्च 2020 में यस



बैंक की वित्तीय स्थिति बिगड़ने के बाद सरकार ने मोराटोरियम लगाया था, जिसके बाद 14 मार्च 2020 को बैंक के प्रशासक ने 8,415 करोड़ के इन बॉन्ड को बट्टे खाते में डालने (राइट-ऑफ करने) का फैसला किया था। हालांकि, बॉम्बे हाईकोर्ट ने प्रशासक के इस फैसले को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत अंतिम पुनर्गठन योजना में AT-1 बॉन्ड को राइट-डाउन करने का कोई भी प्रावधान मौजूद नहीं था। साथ ही, अदालत ने रेखांकित किया था कि आरबीआई द्वारा मांगे गए सुझावों के दौरान निवेशकों ने बॉन्ड राइट-ऑफ का विरोध करते हुए इन्हें शेयरों में बदलने का सुझाव दिया था, जिसे नजरअंदाज किया गया और याचिकाओं में NSDL व CDSL को बॉन्ड रद्दीकरण की प्रविष्टियों को वापस लेने का निर्देश देने की मांग की गई थी। इसके बाद 15 अक्टूबर के अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने भी इस पूरे मामले में यस बैंक, उसके प्रशासक और भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए स्पष्ट किया था कि पुनर्गठन योजना में प्रावधान न होने के कारण प्रशासक के पास इन बॉन्ड को राइट-ऑफ करने का कानूनी अधिकार नहीं था। कोर्ट ने यह सख्त टिप्पणी भी की थी कि आरबीआई इस पूरी प्रक्रिया के दौरान एक मूकदर्शक बना रहा, जिसके परिणामस्वरूप यस बैंक का CET-1 अनुपात गिरकर बेहद निचले स्तर 0.6 फीसदी तक पहुंच गया था।

भारत 7.2 फीसदी की वृद्धि के साथ रहेगा सबसे आगे: गोल्डमैन सैक्स

मृदुभाषी। नई दिल्ली

गोल्डमैन सैक्स रिसर्च की 'ग्लोबल इकोनॉमिक आउटलुक 2027' रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2027 में वैश्विक अर्थव्यवस्था के 2.8 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान है, जो 2026 के अनुमानित 2.7 फीसदी के मुकाबले थोड़ा अधिक है।

प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की बात करें तो भारत की जीडीपी वृद्धि दर 2027 में 7.2 फीसदी रहने का अनुमान जताया गया है, जो हालांकि 2026 के 7.9 फीसदी से कम है लेकिन 6.8 फीसदी के आम सहमति अनुमान से काफी बेहतर है। वहीं, चीन की अर्थव्यवस्था के 4.5 फीसदी और अमेरिका की अर्थव्यवस्था के 2.4 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है। गोल्डमैन सैक्स रिसर्च के मुख्य अर्थशास्त्री



और प्रमुख जन हैट्जियस ने बताया कि कम ऊर्जा कीमतें और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़ा मजबूत निवेश, सख्त वित्तीय स्थितियों तथा सरकारी खर्च में कमी के प्रभाव को संतुलित करेंगे, जिससे 2027 में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि ठोस लेकिन सामान्य बनी रहेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2026 में आर्थिक वृद्धि पर दबाव डालने वाली ऊर्जा कीमतों का 2027 में मामूली असर रहेगा और आपूर्ति में सुधार के चलते ब्रेंट कच्चा तेल 2027 के अंत तक 78 डॉलर प्रति बैरल तक गिर सकता है, साथ ही तरलीकृत प्राकृतिक गैस की कीमतों में भी कमी आएगी, हालांकि यूरोप को उच्च ऊर्जा लागतों का दबाव झेलना पड़ सकता है। दूसरी ओर, अमेरिका में हार्डवेयर पर अधिक खर्च के कारण वैश्विक एआई निवेश 2026 के 1.1 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 2027 में 1.8 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो अकेले वैश्विक जीडीपी वृद्धि में 0.4 प्रतिशत अंक का योगदान दे सकता है। ऊर्जा कीमतों में गिरावट से वैश्विक महंगाई कम होने की उम्मीद है और अमेरिका में मुख्य पीसीई महंगाई दर 2026 के अंत के 3.2 फीसदी से घटकर 2027 के अंत तक 2.4 फीसदी पर आ सकती है। हालांकि, रिपोर्ट में वैश्विक वृद्धि के लिए कुछ नकारात्मक जोखिमों की चेतावनी भी दी गई है, जिनमें ईरान युद्ध के फिर से भड़कने से ऊर्जा कीमतों में उछाल, बड़े सरकारी घाटे के कारण उधार लागत में वृद्धि और क्षमता बाधाओं, नियामक चुनौतियों या कमजोर मांग के चलते एआई निवेश के उम्मीद से कम रहने की आशंका शामिल है।

टाटा संस की शेयर बाजार में लिस्टिंग पर नोएल टाटा ने जताई चिंता

मृदुभाषी। नई दिल्ली

टाटा ट्रस्ट्स के अध्यक्ष नोएल टाटा ने टाटा संस की शेयर बाजार में प्रस्तावित पब्लिक लिस्टिंग पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि इससे समूह के पारंपरिक 'टाटा वे' (तरीके) में बदलाव आ सकता है और व्यापक शेयरधारक आधार अंततः परोपकार पर मुनाफे को तरजीह दे सकता है। एचटी लीडरशिप समिट 2026 के दौरान नोएल टाटा ने स्पष्ट किया कि यदि समूह के 30,000 से 40,000 शेयरधारक हो जाते हैं, तो व्यवसाय में परोपकारी सोच पीछे छूट सकती है, हालांकि उन्होंने यह भी विश्वास जताया कि टाटा ट्रस्ट्स



नियामक और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर इसका कोई उचित समाधान खोज लेगा। उल्लेखनीय है कि भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा सितंबर 2026 में टाटा संस के मुख्य निवेश कंपनी के रूप में पंजीकरण छोड़ने के आवेदन को खारिज किए जाने के बाद टाटा संस बोर्ड ने सूचीबद्धता की दिशा में कदम बढ़ाने का निर्णय लिया है।

जमाखोरी पर लगाम: चावल और धान के स्टॉक की ऑनलाइन घोषणा के लिए सरकार ने शुरू किया पोर्टल

मृदुभाषी। नई दिल्ली

देश में जमाखोरी रोकने और बाजार में कीमतों को नियंत्रित करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने चावल और धान के स्टॉक की ऑनलाइन घोषणा के लिए एक नया पोर्टल (foodstock.dfpd.gov.in) संचालित किया है, जिसके तहत 6 नवंबर के आदेश के अनुसार सभी व्यापारियों, खुदरा विक्रेताओं, थोक विक्रेताओं, प्रोसेसरों और मिलरों को हर शुक्रवार को पोर्टल पर स्टॉक का विवरण अपडेट करना अनिवार्य



किया गया है। नोडल खाद्य मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इन इकाइयों को बासमती चावल, गैर-बासमती प्रीमियम चावल, गैर-बासमती चावल, परबोइल्ड चावल, टूटा चावल और धान—इन छह श्रेणियों में स्टॉक घोषित करना होगा और पोर्टल पर पंजीकृत न होने या स्टॉक सीमा का उल्लंघन करने पर आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धाराओं 6 और 7 के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बाजार में उपलब्धता सुधारने और कीमतों पर लगाम लगाने के लिए सरकार ने NAFED, NCCF और केंद्रीय भंडार को 'भारत चावल' के रूप में बेचने हेतु अतिरिक्त स्टॉक आवंटित किया है तथा विशेष रूप से दक्षिणी राज्यों में वितरण चैनलों का पता लगाने के निर्देश दिए हैं, जबकि खुले बाजार बिक्री योजना (घरेलू) के तहत ई-नीलामी से चावल बिक्री का लक्ष्य 2026-27 के लिए 25 लाख टन से बढ़ाकर 50 लाख टन कर दिया गया है, जिसके तहत 31 अक्टूबर तक करीब 25 लाख टन चावल निजी पार्टियों को बेचा जा चुका है। व्यापार और उद्योग विशेषज्ञों के मुताबिक, कम और असमान वर्षा के कारण खरीफ धान का रकबा 2026-27 में करीब 4 फीसदी घटकर 42.68 दस लाख हेक्टेयर रह गया है, जिससे गैर-बासमती प्रीमियम किस्मों में महंगाई बढ़ी है और सितंबर में खुदरा चावल महंगाई दर बढ़कर 8.25 फीसदी (औसत मूल्य करीब 48.23 रुपये प्रति किलोग्राम) पर पहुंच गई है, हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि यह कोई राष्ट्रव्यापी संकट नहीं है क्योंकि सरकार के पास चावल का स्टॉक बेहद आरामदायक स्तर पर है और दबाव केवल उन्हीं क्षेत्रों व सीमित आपूर्ति वाली किस्मों तक सीमित है।

जैतहरी थाना क्षेत्र के गौरेला गांव की घटना, पत्नी और रिश्तेदारों के खेत में धान कटाई के दौरान वारदात को दिया अंजाम, पुलिस जांच में जुटी

तीन वर्षीय मासूम बेटी को जहर खिलाकर पिता ने खुद भी खाया, बेटी की मौत

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अनूपपुर। जिले के जैतहरी थाना अंतर्गत ग्राम गौरेला के वरटोला में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक पिता ने अपनी ही तीन वर्षीय मासूम बेटी को कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खिला दिया। गंभीर हालत में बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान शुक्रवार रात उसकी मौत हो गई। मासूम की मौत की सूचना मिलने के बाद पिता ने भी जहरीला पदार्थ खा लिया, जिसके बाद परिजनों ने उसे गंभीर अवस्था में जिला चिकित्सालय अनूपपुर में भर्ती कराया। फिलहाल उसका उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार, गौरेला गांव के वरटोला निवासी रमेश सिंह की पुत्री सुशीला सिंह का विवाह कुछ वर्ष पूर्व ग्राम पंचायत दुधमनिऊ के केकरपानी गांव के वरटोला निवासी मोहित सिंह पिता फूल सिंह के साथ हुआ था। कुछ दिनों से सुशीला अपनी तीन वर्षीय पुत्री रुचिका और एक वर्षीय पुत्र शिवम के साथ अपने मायके गौरेला में रह रही थी। बताया जाता है कि गुरुवार दोपहर



पति मोहित सिंह अपने ससुराल गौरेला पहुंचा। उस दौरान पत्नी सुशीला अपने रिश्तेदारों के साथ खेत में धान की फसल काटने गई हुई थी। इसी बीच मोहित ने कथित तौर पर अपनी तीन वर्षीय पुत्री रुचिका को जहरीला पदार्थ खिला दिया और वहां से चला गया।

जिला अस्पताल में मासूम ने तोड़ा दम

मासूम की हालत बिगड़ने पर परिजन उसे मोटरसाइकिल से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैतहरी लेकर पहुंचे। जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जिला चिकित्सालय अनूपपुर रेफर किया गया। यहां उपचार के दौरान शुक्रवार रात मासूम रुचिका ने दम तोड़ दिया। बेटी की मौत की जानकारी मिलने के बाद पिता मोहित सिंह ने भी जहरीला पदार्थ खा लिया। गंभीर हालत में परिजनों द्वारा उसे जिला चिकित्सालय अनूपपुर में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार जारी है।

पुलिस कर रही घटना के कारणों की जांच

घटना की जानकारी मिलते ही जैतहरी पुलिस एवं जिला चिकित्सालय पुलिस ने मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है। पिता द्वारा अपनी ही मासूम बेटी को जहरीला पदार्थ खिलाने और बाद में स्वयं जहरीला पदार्थ खाने के पीछे क्या कारण रहे, इसकी जांच की जा रही है।

मृत बालिका का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया है। इस हृदयविदारक घटना ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच में जुटी हुई है।

अलर्ट के बाद भी दस्तावेज अपडेट नहीं किए तो काटने होंगे कार्यालय के चक्कर

इंश्योरेंस, फिटनेस और पीयूसी की वैधता खत्म होते ही वाहन पोर्टल पर बदल जाएगा स्टेटस गाड़ी की खरीदी-बिक्री और नामांतरण पर लगेगी रोक

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। वाहन मालिकों की छोटी सी लापरवाही आने वाले समय में बड़ी परेशानी का कारण बन सकती है। अब तक वाहन का बीमा, फिटनेस या प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) समाप्त होने के बाद भी वाहन पोर्टल पर उसका रिकॉर्ड सामान्य रूप से दिखाई देता था, लेकिन सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने डिजिटल रिकॉर्ड को लेकर व्यवस्था में बदलाव किया है। नई व्यवस्था के तहत वाहनों के दस्तावेजों की वैधता के आधार पर पोर्टल पर उनका स्टेटस निर्धारित किया जाएगा।

किसी एक जरूरी दस्तावेज की समय-सीमा समाप्त होने पर वाहन को एक्टिव-कम्प्लायंट की श्रेणी से हटाकर एक्टिव-नॉन-कम्प्लायंट में डाल दिया जाएगा। लंबे समय तक दस्तावेजों का नवीनीकरण नहीं कराने पर वाहन अस्थायी और फिर स्थायी आर्काइव श्रेणी में पहुंच सकता है। ऐसी स्थिति में वाहन मालिक के लिए गाड़ी की खरीदी-बिक्री, नामांतरण और अन्य परिवहन संबंधी प्रक्रियाएं कराना मुश्किल हो जाएगा। मंत्रालय की ओर से इस व्यवस्था को लेकर



वाहन मालिकों के मोबाइल पर एसएमएस अलर्ट भेजे जा रहे हैं। इन संदेशों के माध्यम से इंश्योरेंस, फिटनेस और पीयूसी सहित जरूरी दस्तावेजों की स्थिति की जानकारी देकर उन्हें समय रहते अपडेट कराने के लिए आगाह किया जा रहा है। धार आरटीओ में हजार वाहन मालिकों को अलर्ट मैसेज भेजे जा चुके हैं, जबकि प्रदेशभर में लाखों वाहन मालिकों तक यह सूचना पहुंचाई जा रही है। इसके बावजूद यदि वाहन मालिक दस्तावेजों का नवीनीकरण नहीं कराते हैं तो आगे चलकर उन्हें तकनीकी और प्रशासनिक प्रक्रिया से गुजरना पड़ सकता है।

चार चरणों में तय होगी वाहन की डिजिटल स्थिति

नई व्यवस्था में वाहन पोर्टल पर दस्तावेजों की वैधता के आधार पर वाहनों को चार श्रेणियों में रखा जाएगा। पहली श्रेणी एक्टिव-कम्प्लायंट की होगी, जिसमें उन वाहनों को शामिल किया जाएगा जिनका रजिस्ट्रेशन, बीमा, फिटनेस और पीयूसी वैध है। दूसरी श्रेणी एक्टिव-नॉन-कम्प्लायंट की रहेगी। इसमें किसी एक जरूरी दस्तावेज की अवधि समाप्त होने पर वाहन का रिकॉर्ड दर्ज होगा। इसके बाद लंबे समय तक दस्तावेज अपडेट नहीं कराने वाले वाहनों को टेम्परेरी आर्काइव यानी अस्थायी अभिलेख श्रेणी में भेजा जा सकेगा। निर्धारित समयावधि बीतने के बाद भी सुधार नहीं होने पर वाहन परमानेंट आर्काइव यानी स्थायी अभिलेख श्रेणी में पहुंच जाएगा। इस तरह वाहन की डिजिटल पहचान और पोर्टल पर उसकी सक्रियता सीधे दस्तावेजों की वैधता से जुड़ी रहेगी।

रिकॉर्ड एक्टिव करना आसान नहीं होगा

इस व्यवस्था का सबसे अहम पहलू यह है कि वाहन का रिकॉर्ड एक बार परमानेंट आर्काइव श्रेणी में पहुंचने के बाद उसे दोबारा एक्टिव कराना आसान नहीं होगा। इसके लिए वाहन मालिक को डिजिटल रिकॉर्ड के साथ मैनुअल सत्यापन की प्रक्रिया भी पूरी करनी होगी। शुरूआती स्तर पर आरटीओ के माध्यम से दस्तावेजों और वाहन का सत्यापन कराया जा सकेगा, लेकिन स्थायी आर्काइव में दर्ज वाहन का रिकॉर्ड दोबारा सक्रिय करने का अधिकार स्थानीय आरटीओ के पास नहीं रहेगा। ऐसे मामलों में अपडेट की प्रक्रिया केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के स्तर से ही पूरी हो सकेगी। यानी समय रहते दस्तावेज दुरुस्त नहीं कराने पर वाहन मालिक को स्थानीय कार्यालय से लेकर मंत्रालय स्तर तक की प्रक्रिया का सामना करना पड़ सकता है।

इन दस्तावेजों की समय-सीमा पर रखें नजर

वाहन मालिकों को अपने वाहन का इंश्योरेंस समय रहते रिन्यू कराना होगा। पीयूसी प्रमाणपत्र की वैधता समाप्त होने से पहले प्रदूषण जांच करवाकर नया प्रमाणपत्र बनवाना जरूरी रहेगा। वहीं कमर्शियल वाहनों के संचालकों को फिटनेस प्रमाणपत्र और परमिट की समय-सीमा पर विशेष ध्यान देना होगा। इसके अलावा वाहन पोर्टल पर समय-समय पर अपने वाहन का डिजिटल स्टेटस जांचते रहना भी जरूरी होगा। एसएमएस अलर्ट मिलने पर उसे नजरअंदाज करने के बजाय संबंधित दस्तावेज पूरे कर आरटीओ से संपर्क करना हितकर रहेगा।

अलर्ट का मकसद मालिकों को पहले से सचेत करना

आरटीओ ह्रदेश यादव ने बताया कि जिन वाहनों के इंश्योरेंस, फिटनेस या पीयूसी की वैधता समाप्त हो चुकी है, उनके मालिकों को परिवहन पोर्टल के माध्यम से एसएमएस भेजे जा रहे हैं। इसका उद्देश्य वाहन मालिकों को उनके वाहन की वास्तविक स्थिति से अवगत कराना और समय रहते दस्तावेजों का नवीनीकरण कराने का अवसर देना है। इससे भविष्य में वाहन पोर्टल पर रिकॉर्ड संबंधी समस्याओं और परिवहन सेवाओं का लाभ लेने में होने वाली परेशानियों से बचा जा सकेगा।

एसडीएम को सौंपे ज्ञापन में सुरक्षा और दर्शनार्थियों की आवाजाही प्रभावित होने की आशंका

भोजशाला के समीप उर्स, व्यापारिक मेले पर प्रतिबंध को लेकर सौपा ज्ञापन

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। भोजशाला की मुक्ति और उसके गौरव की पुनः प्रतिष्ठा के लिए संकल्पित महाराजा भोज उत्सव समिति ने भोजशाला के समीप आयोजित होने वाले उर्स और व्यापारिक मेले पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। इस संबंध में समिति ने कलेक्टर के नाम एसडीएम राजकुमार हलदर को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन का वाचन समिति के हेमंत दोराया ने किया। इसमें कहा गया कि भोजशाला के समीप पूर्व में उर्स और व्यापारिक मेला आयोजित होता रहा है। इसे प्रतिबंधित करने के लिए समिति और नगर के व्यापारियों द्वारा प्रतिवर्ष ज्ञापन दिए जाते रहे हैं। समिति ने दावा किया कि मुस्लिम माह जिलहिज्जा की 4 तारीख को कमाल मौलाना का जन्मदिन मनाया जाता है, ऐसे में जन्मदिन के नाम पर दोबारा उर्स आयोजित करने का औचित्य नहीं है। साथ ही



समिति ने संवेदनशील 50 मीटर की परिधि में बिना अनुमति रंगाई-पुताई किए जाने पर भी आपत्ति जताई।

भोजशाला में नियमित पूजन, हवन और आरती

ज्ञापन में कहा गया कि भोजशाला में 17 मई से नियमित पूजन, हवन और आरती की जा रही है। समिति के अनुसार, न्यायालयों के आदेशों के तहत भी नियमित पूजा-अर्चना जारी है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में उर्स और मेले के आयोजन से दर्शनार्थियों की आवाजाही प्रभावित होने के साथ सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी चुनौती उत्पन्न हो सकती है।

व्यापारिक मेले के आयोजन की आवश्यकता नहीं

समिति ने यह भी कहा कि पूर्व में मोतीबाग चौक नगर के बाहरी क्षेत्र में था, लेकिन अब यहां घनी आबादी बस चुकी है। नगर में वर्षभर कई मेले आयोजित होते हैं और दैनिक उपयोग की वस्तुएं आसानी से उपलब्ध हैं। ऐसे में भोजशाला के समीप व्यापारिक मेले के आयोजन की आवश्यकता नहीं है। समिति ने प्रशासन से भोजशाला के समीप उर्स और व्यापारिक मेले पर प्रतिबंध लगाने की मांग की, ताकि नगर में शांति व्यवस्था बनी रहे।

तंबाकू को लेकर जगाई गई जागरूकता, खुला व्यसन मुक्ति केंद्र

अनूपपुर। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत संचालित तंबाकू मुक्त युवा अभियान 4.0 के अंतर्गत जिले में तंबाकू एवं नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पसला में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को तंबाकू-निकोटिन के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई तथा विद्यालय परिसर को तंबाकू मुक्त रखने की शपथ दिलाई गई। वहीं जागरूकता रैली के माध्यम से आमजन को नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया। इसके साथ ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फुनगा में तंबाकू व्यसन मुक्ति केंद्र स्थापित किया गया है। जहां तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों की लत से प्रभावित लोगों को नशा छोड़ने के लिए परामर्श, मार्गदर्शन एवं आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।



विधायक ने किया मंत्री विजयवर्गीय का स्वागत

बागली। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का बागली के किशनगढ़ फाटे पर क्षेत्रीय विधायक मुरली भंवरा द्वारा दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर जनजातीय गौरव सप्ताह के अंतर्गत आयोजित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। विधायक ने बताया की भगवान बिरसा मुंडा का त्याग, संघर्ष, अदम्य साहस, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति का गौरवशाली जीवन हम सभी के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा। उनका जीवन हमें अपनी संस्कृति, परंपरा, जल, जंगल और जमीन की रक्षा के साथ राष्ट्रहित में समर्पित रहने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. रायसिंह सेंधव , जिला उपाध्यक्ष महेश चौहान, अजजा मोर्चा प्रदेश मंत्री खुशीलाल राठौड़, अजजा मोर्चा जिलाध्यक्ष टिंकी बारेला, मंडल अध्यक्ष अजय शर्मा , एडवोकेट गोविंद यादव सहित अजजा मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे।

हत्या के प्रयास के मामले में दो फरार आरोपी गिरफ्तार, डंडे जब्त

धामनोद पुलिस ने मुखबिर सूचना के आधार पर की कार्रवाई, अन्य आरोपियों की तलाश जारी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। धामनोद थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में दो माह से फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त दो लकड़ी के डंडे भी जब्त किए हैं। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है, जबकि प्रकरण के अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार, ग्राम सुन्द्रेल के कहार मोहल्ला निवासी छगनलाल मेवाड़े ने 4 अगस्त 2026 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि घटना दिनांक को वह रात में अपने घर पर थे। इसी दौरान रात करीब 8 बजे चंदन कहार, परमानंद कहार और



हिमांशु कहार अपने एक साथी के साथ उसके घर पहुंचे। इस दौरान एक मामले को लेकर थाने में रिपोर्ट करने की बात को लेकर आरोपियों ने गाली-गलौच शुरू कर दी। जब उन्होने इसका विरोध किय तो चंदन ने तलवार से मुकेश मेवाड़े के कंधे पर वार किया, जबकि परमानंद ने लट्ठ से छगनलाल के बाएं हाथ पर हमला कर दिया। बीच-बचाव करने आए श्रीराम के दाहिने हाथ पर परमानंद और सिर पर हिमांशु ने लट्ठ से वार कर चोट पहुंचाई।

शिकायत पर पुलिस ने दर्ज किया प्रकरण

फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 372/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी संतोषसिंह यादव ने विशेष टीम गठित की। टीम ने मुखबिर सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए हिमांशु पिता परमानंद उर्फ पम्मु वर्मा (22) और परमानंद उर्फ पम्मु पिता शोभाराम वर्मा (48), दोनों निवासी कहार मोहल्ला सुन्द्रेल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त दो लकड़ी के डंडे भी जब्त किए हैं।

इनकी रही भूमिका

कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक संतोषसिंह यादव, उपनिरीक्षक सावन मुवेल, प्रधान आरक्षक श्रीराम पंवार, दीपेंद्रसिंह ठाकुर, आरक्षक अशोक मुनिया, महिला आरक्षक उषा अलावा और सैनिक चेतन जाट की भूमिका रही।

कार्रवाई **तीन मकानों को किया ध्वस्त, ग्रामीणों ने उठाए कार्रवाई पर सवाल**

सुबह 6 बजे अवैध मकानों पर चला बुलडोजर

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। जिले के दुपाड़ा वृत्त के ग्राम भोपाखेड़ी में शनिवार सुबह करीब 6 बजे प्रशासन द्वारा तीन मकानों को अवैध घोषित करते हुए उन पर बुल्डोजल चलाकर ध्वस्त कर दिया। सर्वे नंबर 293 पर बने तीन मकानों को पोकलेन और दो जेसीबी की मदद से ढहा दिया गया। कार्रवाई के दौरान 250 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात रहे।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पंचायत से भूखंड आवंटन और निर्माण की अनुमति मिलने के बाद गांव में करीब 200 मकान बने हैं, लेकिन प्रशासन ने चुनिंदा तीन मकानों को ही तोड़ा। इसे ग्रामीणों ने राजनीतिक दबाव में की गई कार्रवाई बताया है।

भारी पुलिस की मौजूदगी में 2 घंटे तक चली कार्रवाई

शनिवार सुबह करीब 6 बजे राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम भोपाखेड़ी पहुंची। मौके पर एडिशनल एसपी महेंद्र तारणेकर,



एसडीएम मनीषा वास्कले, एसडीओपी कीर्ति बघेल, डीएसपी अजय मिश्रा सहित तीन थाना प्रभारी मौजूद रहे। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में दो घंटे से अधिक समय तक कार्रवाई चली। प्रशासन के अनुसार सर्वे नंबर 293 पर सलमान पिता आजाद शाह, आनंदीलाल पिता नाथू आदिवासी और वकील पिता अहमद खान के मकान अतिक्रमण की श्रेणी में पाए गए थे। इन्हें नोटिस जारी करने के बाद मकान हटाए गए।

20 साल पहले दिए थे भूखंड

ग्रामीणों का दावा है कि ग्राम पंचायत ने करीब 20 साल पहले 1996-97 में ग्रामीण आवास योजना के तहत भूखंड आवंटित किए थे। लोगों को भूखंड प्रमाण पत्र देने के साथ मकान बनाने की अनुमति भी दी गई थी। इसके बाद ग्रामीणों ने वहां कच्चे और पक्के मकान बनाए। वर्ष 2001 से 2005 के बीच भी इसी क्षेत्र में भूखंड आवंटित किए जाने की बात कही जा रही है। ग्रामीणों के मुताबिक शासकीय सर्वे नंबर 291, 293 और 298 में करीब 200 मकान बने हुए हैं। ग्राम पंचायत दुपाड़ा ने इन जमीनों को आबादी घोषित करने की मांग राजस्व मंत्री करणसिंह वर्मा से की थी। इसके बाद 19 जून 2026 को मंत्री ने कलेक्टर शाजापुर को पत्र लिखकर सर्वे नंबर 291, 292, 293 और 298 को ग्राम आबादी घोषित करने के संबंध में निर्देश दिए थे। आरोप है कि इस पत्र पर कार्रवाई किए बिना ही प्रशासन ने मकान तोड़ दिए।

17 नवंबर को होनी थी सुनवाई पहले ही तोड़ दिए मकान

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि मकान मालिक आनंदीलाल और वकील खान को हाईकोर्ट इंदौर से स्थगन आदेश मिला था। बाद में शाजापुर न्यायालय ने दीपावली से एक दिन पहले अस्थायी स्थगन आदेश समाप्त कर दिया। इसके बाद मकान मालिकों ने जिला एवं सत्र न्यायाधीश के यहां आवेदन प्रस्तुत किया, जिस पर सुनवाई 17 नवंबर को होना थी। इस मामले में शासन को नोटिस भी जारी किए जा चुके थे। ऐसे में सुनवाई की तारीख से पहले ही मकान तोड़ने की कार्रवाई किए जाने पर उन्होंने सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि करीब 200 मकान शासकीय भूमि पर बने हैं तो कार्रवाई केवल तीन मकानों तक ही क्यों सीमित रखी गई।

छठ पूजा से पहले गणगौर घाट पहुंची महापौर, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खंडवा। छठ महापर्व पर गणगौर घाट में होने वाली पूजा और सूर्य उपासना को लेकर नगर निगम ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी सिलसिले में महापौर अमृता अमर यादव ने गणगौर घाट पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने घाट पर चल रही तैयारियों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि महापौर ने घाट पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, सुरक्षा और आवागमन सहित श्रद्धालुओं की सुविधाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि छठ पूजा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु घाट पर पहुंचेंगे। ऐसे में सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूरी की जाएं, ताकि पूजा



के दौरान किसी भी श्रद्धालु को परेशानी का सामना न करना पड़े।महापौर ने कहा कि छठ महापर्व आस्था, श्रद्धा, पवित्रता और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का पर्व है। इस अवसर पर श्रद्धालु भगवान सूर्यदेव और छठी मैया की आराधना करते हैं। नगर निगम की जिम्मेदारी है कि श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों को आपसी समन्वय से काम करने और आयोजन के दौरान विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

जनप्रतिनिधि और अधिकारी रहे मौजूद

पर्यवेक्षण के दौरान निगम महापौर अमृता अमर यादव अध्यक्ष अनिल विश्वकर्मा, एमआईसी सदस्य सोमनाथ काले, राजेश यादव, अनिल वर्मा, आशीष चटकेले, दिना पंवार, विक्की बावरे, प्रवक्ता सुनील जैन पार्षद प्रेम गोयल उपायुक्त महिपाल सिंह सोलंकी, राधेश्याम उपाध्याय, संजय शुक्ला, भूपेंद्र बिसेन, भारत सूरजाएं, नवनीत शुक्ला, मनीष पंजाबी, मनीष झीले, अजय सारसर, रतन ब्राह्मण और दिनेश सोलंकी मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटना दिखाने के लिए शव पर चढ़ाया ट्रैक्टर, वारदात का खुलासा करते हुए पुलिस ने 5 आरोपियों को किया गिरफ्तार

अवैध संबंधों के चलते पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की कराई हत्या

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

आलीराजपुर। जिले के थाना चाँदपुर क्षेत्र के ग्राम मोरधी में 12 नवंबर को हुई दिलीप पिता अबेसिंह वास्कले की संदिग्ध मौत का पुलिस ने महज कुछ ही दिनों में सनसनीखेज खुलासा कर दिया है। पहले इस घटना को सड़क दुर्घटना मानकर मामला दर्ज किया गया था, लेकिन जिला चिकित्सालय के पांच चिकित्सकों के मेडिकल पैनल द्वारा किए गए पोस्टमार्टम में गला घोंटकर हत्या किए जाने की पुष्टि हुई।

मामले में एक सनसनीखेज खुलासा हुआ है। जिसमें सामने आया है कि अवैध संबंधों के चलते मृतक की पत्नी ने ही अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कराई थी। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जांच के बाद हत्या का प्रकरण दर्ज किया गया

पुलिस अधीक्षक समर वर्मा ने बताया कि 12 नवम्बर को थाना चाँदपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम मोरधी में शाम लगभग 7 बजे रात्रि के दौरान दिलीप पिता अबेसिंह वास्कले की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु की घटना घटित हुई थी। फरियादी पिन्टू पिता अबेसिंह वास्कले निवासी ग्राम मोरधी खुड़ियावड़ फलिया द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। प्रारंभिक तौर पर मामला सड़क दुर्घटना का प्रतीत होने



पर थाना चाँदपुर में अपराध क्रमांक 208/2026 धारा 281, 125 (1), 106(1) बीएनएस के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। बाद में जांच के बाद हत्या का प्रकरण दर्ज किया गया।

मोबाइल फोन से खुलीं सुनियोजित हत्या की परतें

पुलिस अधीक्षक समर वर्मा के अनुसार तकनीकी जांच और घटनास्थल से मिले एक मोबाइल फोन के आधार पर इस सुनियोजित हत्या की परतें खुलीं। जांच में सामने आया कि मृतक की पत्नी सेंगली के ग्राम मोरधी निवासी रमेश पिता मोती के साथ पिछले चार-पाच वर्षों से अवैध संबंध थे, जिसकी जानकारी मृत पति को होने पर आए दिन विवाद होता था। इसी विवाद से छुटकारा पाने के लिए पत्नी और उसके प्रेमी ने दिलीप को रास्ते से हटाने की खौफनाक साजिश रची। घटना की शाम जब दिलीप अत्यधिक नशे में था, तब उसकी पत्नी ने प्रेमी रमेश को इसकी सूचना दी। इसके बाद रमेश ने अपने साथियों महेश, सिलदार, दशरिया और नानसिंह के साथ मिलकर योजना को अंजाम दिया। आरोपियों ने नशे में धुत दिलीप को खेत में ले जाकर रस्सी से गला घोंटकर मार डाला।

ट्रैक्टर को शव व स्कूटी पर दो बार आगे-पीछे चढ़ाया

हत्या को सड़क दुर्घटना का रूप देने के लिए आरोपियों ने मृत शरीर और उसकी स्कूटी को सड़क किनारे रखा और दशरिया ने ट्रैक्टर को शव व स्कूटी पर दो बार आगे-पीछे चढ़ा दिया, ताकि पुलिस और परिजन इसे दुर्घटना समझें। हालांकि, पुलिस की मुस्तैदी और वैज्ञानिक साक्ष्यों ने इस झूठ का पदार्फाश कर दिया। पुलिस ने इस अंधे कत्ल में मृतक की पत्नी सेंगली, मुख्य आरोपी रमेश, महेश, दशरिया और नानसिंह सहित कुल 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक अन्य आरोपी सिलदार की तलाश जारी है। उक्त अंधे कत्ल का खुलासा करने में थाना चाँदपुर की पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जिसमें थाना प्रभारी चांदपुर उप निरीक्षक दिलीप सिंह चन्देल, सहायक उप निरीक्षक रमेश अलावा, सहायक उप निरीक्षक मधुराज सिंह कुशवाह, प्रधान आरक्षक 01 हेमराज, प्रधान आरक्षक 45 गरव सिंह, प्रधान आरक्षक 101 निलेश पाल, प्रधान आरक्षक 213 धर्मेन्द, आरक्षक 128 दीपक, आरक्षक 281 दिलीप एवं आरक्षक 63 प्रकाश का सराहनीय योगदान रहा

किसानों के नवाचारों को जाना उत्कृष्ट कृषकों का किया सम्मान

जैविक एवं प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों से भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने किया आत्मीय संवाद

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खरगोन। बड़वाह भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा द्वारा आज खरगोन एवं खंडवा जिले के जैविक एवं प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों के साथ तिरुपति नर्सरी, बड़वाह में आत्मीय संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री माननीय श्री चंद्रशेखर जी ने किसानों से सीधा संवाद कर उनके खेती के अनुभवों, नवाचारों एवं उपलब्धियों की जानकारी प्राप्त की तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों का सम्मान किया।

कार्यक्रम में भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा, खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, निमाड़ संभाग प्रभारी एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा, खंडवा के संगठन प्रभारी अंबाराम कराड़ा, बड़वाह विधायक सचिन बिरला, भाजपा खरगोन जिलाध्यक्ष श्रीमती नंदा ब्राह्मणे, किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पटेल, प्रदेश मंत्री राजीव पटेल, खरगोन किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष नारायण पाटीदार एवं खंडवा किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिंह किसान मोर्चा पूर्व जिला अध्यक्ष महेश गुर्जर सहित बड़ी संख्या में जैविक एवं प्राकृतिक खेती करने वाले किसान उपस्थित रहे। संवाद कार्यक्रम में गुलकंद निर्माण, सब्जी उत्पादन, बागवानी, औषधीय पौधों



की खेती, फल उत्पादन एवं प्राकृतिक तथा जैविक कृषि से जुड़े किसानों ने सहभागिता की। विशेष बात यह रही कि महिला कृषकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने अनुभवों, उपलब्धियों एवं खेती में किए जा रहे नवाचारों को साझा किया।

कृषि योजनाओं के अंतर्गत मिलने वाले अनुदान की ली जानकारी

संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने किसानों से केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कृषि योजनाओं के अंतर्गत मिलने वाले अनुदान की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने किसानों से जाना कि उन्हें योजनाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं, अनुदान प्राप्त करने में किसी प्रकार की कठिनाई तो नहीं आ रही तथा खेती के दौरान उन्हें किन व्यावहारिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।इस दौरान अनेक किसानों ने बताया कि उन्हें सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से अनुदान प्राप्त हुआ है। इसके लिए उन्होंने केंद्र एवं मध्यप्रदेश सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। वहीं किसानों ने अपनी अपेक्षाएं एवं सुझाव भी साझा किए।

खेती के अभिनव प्रयास भी चर्चा का विषय रहे

कार्यक्रम में सामूहिक खेती के अभिनव प्रयास भी चर्चा का विषय रहे। कुछ किसान 15 से 20 किसानों के समूह बनाकर खेती कर रहे हैं, ताकि सामूहिक उत्पादन बढ़ाने के साथ अपने उत्पादों को बड़े बाजारों एवं अन्य राज्यों तक पहुंचाया जा सके। किसानों के इस सामूहिक प्रयास को कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और बेहतर विपणन व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा गया। इस अवसर पर किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा एवं सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने कहा कि किसान मोर्चा किसानों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं, सुझावों एवं आवश्यकताओं को समझेगा और उनके समाधान के लिए सरकार तक प्रभावी ढंग से बात पहुंचाएगा। किसान मोर्चा गांव-गांव और खेत-खेत तक सक्रिय भूमिका निभाते हुए किसानों की आवाज बनेगा। कार्यक्रम की प्रस्तावना में विभिन्न श्रेणियों के कृषकों, उनके द्वारा अपनाई जा रही खेती की पद्धतियों, उत्पादित फसलों तथा कृषि क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों की जानकारी प्रस्तुत की गई।

संवाद अत्यंत सार्थक एवं परिणामोन्मुखी रहा

आयोजकों के अनुसार संगठन के शीर्ष नेतृत्व और किसानों के बीच हुआ यह सीधा संवाद अत्यंत सार्थक एवं परिणामोन्मुखी रहा। इस संवाद के माध्यम से किसानों की जमीनी समस्याओं, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, अनुदान, प्राकृतिक एवं जैविक खेती, सामूहिक कृषि और उत्पादों के विपणन से जुड़े महत्वपूर्ण विषय सामने आए। विश्वास है कि किसानों से प्राप्त सुझावों एवं संवाद में सामने आए बिंदुओं पर आने वाले समय में सरकार की कृषि नीतियों एवं योजनाओं को और अधिक प्रभावी एवं किसान हितैषी बनाने की दिशा में विचार किया जाएगा।

न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह शुरु, साइबर सुरक्षा, पॉक्सो अधिनियम पर किया जागरूक

विद्यार्थियों को दी गई कानून और बाल सुरक्षा की जानकारी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

कसरावद। न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह का शुभारंभ शनिवार को बाल दिवस के अवसर पर महर्षि वेद व्यास हायर सेकेंडरी स्कूल में किया गया। तहसील विधिक सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन में विधिक जागरूकता बढ़ाना, विधिक सेवा योजनाओं का प्रचार-प्रसार करना तथा समाज के वंचित एवं कमजोर वर्गों को न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करना है।

14 से 20 नवंबर तक आयोजित होने वाले इस विधिक सेवा सप्ताह के अंतर्गत विद्यार्थियों को विभिन्न कानूनी प्रावधानों एवं अधिकारों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल एवं संरक्षण) अधिनियम, पॉक्सो अधिनियम, साइबर सुरक्षा, बाल शोषण की रोकथाम तथा निःशुल्क कानूनी



सहायता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी देकर बच्चों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया।

बच्चों को जागरूक एवं सतर्क रहने की समझाइश

इस अवसर पर बार एसोसिएशन अध्यक्ष नवीन कुमार जोशी ने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से बचाव, पॉक्सो अधिनियम एवं बाल सुरक्षा से जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी, वहीं बार एसोसिएशन सचिव सचिन बाथम ने सुरक्षित बचपन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को जागरूक एवं सतर्क रहने की समझाइश दी। संचालन पैरालीगल वॉलंटियर सुधीर सराफ ने किया। इस अवसर पर विद्यालय संचालक एडवोकेट बृजेश कुमार व्यास, निलेश व्यास एवं राजेश व्यास, न्यायालय विभाग के धनंजय शर्मा, पैरालीगल वॉलंटियर देवदत्त एक्कल, जगदीश वर्मा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम। गुना। जिले में 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाएगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम शुभ विदाई गार्डन, गुना में प्रातः 10 बजे से प्रारंभ होगा।



स्वेटर मिलते ही खिले विद्यार्थियों के चेहरे

महेश्वर। ईशान पत्रिका परिवार के आह्वान पर दानदाताओं के सहयोग से शासकीय विद्यालय, मोहना में अध्ययनरत शत-प्रतिशत 125 विद्यार्थियों को स्वेटरों का निःशुल्क वितरण किया गया।इस अवसर पर ईशान पत्रिका के संपादक सुनील कुमार जैन, दि. जैन समाज महेश्वर अध्यक्ष जवाहर जैन, मंत्री सौरभ जैन, महेश्वर समाज वरिष्ठ भूपेंद्र जैन, पार्षद शैलेन्द्र जैन, कमलेशजैन, दि. जैन पोरवाड़ समाज, गुजरात के मंत्री कांची जैन, संकूल प्राचार्य शासकीय उ.मा.वि. मेहतवाड़ा राकेश अत्री, सरपंच मोहना कमल चौहान, जैन समाज मोहना के वरिष्ठ दिलीप कुमार जैन, संजय कुमार जैन, प्रकाशचंद जैन, ग्राम प्रमुख सोहन सिंह महंत, अशोक पटेल, भाजपा मंडल महेश्वर के महामंत्री रवि चौहान, महेश पाटीदार, शिक्षाविद् बलवीर सिंह सोलंकी, महेश सोलंकी, कलदार सिंह चौहान, देवेंद्र गीते, आशीष गीते आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम से प्रभावित होकर अतिथियों सदस्यों के द्वारा 50-स्वेटर की स्वीकृति प्रदान की गई। अतिथि सम्मान संस्था प्रधान माध्यमिक भारत सिंह सोलंकी, संस्था प्रधान प्राथमिक दीपक गुप्ता द्वारा किया गया।

कवि रावल करेंगे निमाड़ उत्सव में काव्य पाठ

कसरावद। लोक संस्कृति पारंपरिक कलाओं व निमाड़ी बोली



की विरासत को पहचान दिलाने के लिए 24 से 26 नवंबर तक नर्मदा घाट महेश्वर में आयोजित तीन दिवसीय निमाड़ उत्सव में नगर के वीर रस के युवा कवि गौतम रावल काव्य पाठ करेंगे।

तीन दिवसीय आयोजन के तहत 25 नवंबर को शाम 7 बजे निमाड़ी कवि सम्मेलन का आयोजन होगा। जिसमें नगर के युवा कवि गौतम रावल अपना काव्य पाठ करेंगे। रावल निमाड़ उत्सव में शामिल होने वाले कसरावद के पहले कवि है। रावल देश के कई मंचों पर अपनी काव्य प्रस्तुति दे चुके हैं। उनकी इस उपलब्धि पर अखिल निमाड़ लोक परिषद, म्हारो निमाड़ मंच, संस्कार भारती, सहित नगरवासियों एवं परिवारजनों ने बधाई दी। निमाड़ उत्सव में नौका सज्जा ,कबड्डी, नृत्य नाटिका,रंगोली प्रतियोगिता, समूह मेहंदी प्रतियोगिता, निमाड़ी गायन , निमाड़ी कवि सम्मेलन एवं अखिल भारतीय कवि सम्मेलन रखा गया। जिसमें अहिल्या घाट पर शाम 7:00 से सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होगी, जिसमें देश के विभिन्न शहरों से कलाकार जाकर प्रस्तुति देंगे।

7 ऑटो जप्त कर 10,500 के बनाए चालान

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खंडवा। कलेक्टर ऋषव गुप्ता के निर्देश पर आरटीओ श्रीमती निशा चौहान एवं एसडीओपी श्रीमती दिव्या झरिया के नेतृत्व में जांच दल द्वारा ओंकारेश्वर तीर्थ क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं से सही सही किराया लेने की जानकारी के लिए जनजागरूकता अभियान चलाया गया।

इस दौरान आरटीओ श्रीमती चौहान द्वारा ऑटो चालकों को यात्रियों से अधिक किराया न लेने की समझाइश दी गई। साथ ही पूर्व में लगाए गए स्टीकर हटाए



जाने पर एवं परिवहन विभाग से संबंधित वाहन के जरूरी कागजात में कमी पाए जाने पर सख्ती के साथ चालानी कार्यवाही की गई।

थाने में खड़े कराए ऑटो

इस दौरान कुल 10,500 की चालानी कार्यवाही कर राजस्व वसूला गया और 7 अन्य ऑटो में कमी पाए जाने पर उन्हें जप्त कर मांधाता थाने में सुरक्षार्थ खड़ा करवाया गया। आरटीओ श्रीमती चौहान ने सभी ऑटो चालकों को यातायात संबंधी नियमों की जानकारी देते हुए नियम अनुसार ऑटो संचालित करने और अधिक किराया न लेने, तय स्थान से ही सवारी बिठालने और उतारने की हिदायत दी

आयोजन | न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह का शुभारंभ

बालिकाओं को दी अधिकारों की जानकारी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

आगरमालवा। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार 14 से 20 नवंबर तक न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह का आयोजित किया जा रहा है। इसी तारतम्य में विधिक सेवा सप्ताह के प्रथम दिवस एवं बाल दिवस के अवसर पर शासकीय बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सुरेंद्र सिंह गुर्जर ने उपस्थित छात्राओं को उनके मौलिक अधिकारों, बाल अधिकारों एवं कानूनी संरक्षण के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बालिकाओं को बाल विवाह, बाल श्रम, साइबर सुरक्षा एवं बाल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों के बारे में विस्तार से बताया।



कानूनी सहायता प्राप्त करने के तरीकों के बारे में बताया

उन्होंने ग्रामीण स्तर पर बच्चों एवं बालिकाओं को आने वाली विभिन्न समस्याओं, उनके समाधान तथा आवश्यकता पड़ने पर कानूनी सहायता प्राप्त करने के तरीकों के बारे में भी जानकारी दी। गुर्जर ने बालिकाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने, गलत गतिविधियों का विरोध करने तथा किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर बिना डर के संबंधित अधिकारियों से सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। गुर्जर ने बताया कि बालिकाओं को कई प्रकार के कानूनी अधिकार दिए गए है, किन्तु उनकी जानकारी नहीं होने से वह इसका लाभ नहीं ले पातीं है। इसी लिए यह विधिक सेवा शिविर आयोजित किया गया है।

प्रश्नोत्तरी से हुआ संवाद, छात्राओं ने खुलकर रखे प्रश्न

कार्यक्रम के दौरान न्यायाधीश श्री गुर्जर ने छात्राओं के साथ प्रश्नोत्तरी के माध्यम से संवाद किया। इस दौरान छात्राओं ने उत्साहपूर्वक एवं खुलकर अपने प्रश्न रखे, जिनका न्यायाधीश श्री गुर्जर ने सरल भाषा में संतोषजनक उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस संवाद से छात्राओं में काफी उत्साह देखने को मिला तथा उन्हें अपने अधिकारों और कानून के प्रति जागरूक होने का अवसर प्राप्त हुआ।

बाल विवाह मुक्त समाज के लिए ली गई शपथ

कार्यक्रम में अहिंसा वेलफेयर सोसायटी द्वारा भी सक्रिय सहभागिता की गई। सोसायटी की ओर से उपस्थित छात्राओं को बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने के लिए शपथ दिलाई गई। सभी छात्राओं ने संकल्प लिया कि वे स्वयं बाल विवाह नहीं करेंगी तथा अपने परिवार, समाज एवं आसपास के क्षेत्र में बाल विवाह को रोकने के लिए लोगों को जागरूक करेंगी।कार्यक्रम में विद्यालय की लगभग 300 छात्राएं एवं शाला के शिक्षकगण उपस्थित रहे।

बिजली विभाग ने अवैध रुप से चल रहीं 15 अवैध मोटर एवं तार किया जब्त

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

आगरमालवा। अवैध मोटरों की जप्ती अभियान के तहत बिजली विभाग की टीम द्वारा बीजानगरी एवं उच्चवास क्षेत्र में बड़े बकायदार उपभोक्ताओं तथा अवैध विद्युत मोटरों के विरुद्ध अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान 15 अवैध मोटरें एवं तार जप्त किए तथा 25 बकायदार उपभोक्ताओं के कनेक्शन तत्काल काटे गए।

बिजली विभाग के अनुसार यह अभियान आगामी दिनों में भी निरंतर जारी रहेगा। आगामी दिनों में भयाना, बापचा, गुराडिया, कढवाला, सुदवास, कानड़, आमला, पचलाना, सामगी, तनोडिया, पिपलोन कला, गुन्दीकला, भंडावद, भैसोदा, कालीसिंध, कोहाडिया, लखुंदर, मोल्याखेढी, मैना,कीटखेढी. सुईगांव, मोडी, सोयतखुर्द, डोगरगांव, लटुरी गहलोत, लटुरी उमठ में चेकिंग अभियान चलाया जाएगा।



बकाया राशि भुगतान करने की अपील

मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण यंत्री रत्नेश अयाची ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि विभाग द्वारा समस्त कृषि एवं अन्य उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे अवैध विद्युत का उपयोग न करें तत्काल अस्थाई विद्युत कनेक्शन लेवें एवं बकाया राशि का समय पर भुगतान सुनिश्चित करें। बिजली विभाग ने अवैध रुप से मोटर चलाने पर कार्रवाई की बात कही है।

महाकाल मंदिर की 45 बीघा दान की जमीन पर विवाद गहराया

मंदिर प्रशासन ने यूडीए को फिर लिखा पत्र, जमीन वापस मांगी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

उज्जैन। भगवान श्री महाकालेश्वर जी मंदिर प्रबंध समिति को दान में मिली 45 बीघा बेशकीमती जमीन का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। इस भूमि पर आवासीय सह-व्यावसायिक कॉलोनी विकसित करने की उज्जैन विकास प्राधिकरण (यूडीए) की कार्रवाई के विरोध में अब मंदिर प्रशासन ने अपनी जमीन वापस मांगी है। मंदिर प्रशासक ने 6 नवंबर को यूडीए को पत्र लिखकर निमनवासा स्थित मंदिर के स्वामित्व वाली भूमि के सर्वे क्रमांक 188, 189, 190, 224, 230 और 231 को यूडीए की योजना टीडीएस-4 से पूरी तरह मुक्त करने और इसकी अधिसूचना जारी करने की मांग की है। बीते पांच महीनों में मंदिर प्रबंधन द्वारा प्राधिकरण को लिखा गया यह दूसरा पत्र है, हालांकि यूडीए की ओर से अब तक इसका कोई जवाब नहीं दिया गया है।

इस मामले में मंदिर प्रशासक का पत्र भी सामने आया है, जिसमें इस विवाद से मंदिर की छवि धूमिल होने की बात कही गई है। पत्र में उल्लेख है कि सक्षम प्राधिकारी



की पूर्व अनुमति के बिना मंदिर की जमीन के अन्य उपयोग को लेकर मीडिया में खबरें प्रकाशित हो रही हैं और मध्यप्रदेश विधानसभा में भी प्रश्न क्रमांक 1972, 1203 तथा ध्यानाकर्षण सूचना क्रमांक 438 एवं 563 के माध्यम से यह मुद्दा उठ चुका है। इससे मंदिर की प्रतिष्ठा प्रभावित हुई है। मंदिर प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भूमि का स्वामित्व और आधिपत्य मंदिर समिति के पास है तथा इसके अन्यत्र उपयोग की कोई अनुमति नहीं दी गई है।

मंदिर की अचल संपत्ति न तो बेची न गिरवी रखी जा सकती है

पत्र में श्री महाकालेश्वर मंदिर अधिनियम-1982 की धारा 12(2) का हवाला देते हुए बताया गया है कि आयुक्त की पूर्व अनुमति के बिना मंदिर की अचल संपत्ति को न तो बेचा जा सकता है, न गिरवी रखा जा सकता है और न ही तीन वर्ष से अधिक के लिए पट्टे पर या हस्तांतरित किया जा सकता है।

लोकायुक्त में भी हो चुकी है मामले की शिकायत

गौरतलब है कि इस मामले की शिकायत लोकायुक्त में भी हो चुकी है। आरोप है कि जब यह जमीन गलत प्रक्रिया अपनाकर टीडीएस-4 योजना में शामिल की गई, उस समय यूडीए के सीईओ और महाकाल मंदिर के प्रशासक दोनों पदों पर संदीप कुमार सोनी ही पदस्थ थे। 6 दिसंबर 2023 को जारी अनुमोदन पत्र पर दोनों ही पदों की हैसियत से संदीप सोनी के ही हस्ताक्षर हैं और इसकी जानकारी तत्कालीन मंदिर प्रबंध समिति के सदस्यों को भी नहीं दी गई थी। इससे पहले 11 मार्च 2025 को जमीन घोटाले के खुलासे के बाद तत्कालीन कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने भी जमीन वापसी के लिए पत्र लिखने और यूडीए बोर्ड बैठक में प्रस्ताव रखने की बात कही थी, लेकिन प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। अब मंदिर प्रशासन ने नियमों का हवाला देते हुए जमीन को अविलंब मुक्त कर वापस सौंपने की मांग दोहराई है।

छात्रों को मुर्गा बनाकर लात मारी, कांटेदार डंडे से पीटा

छात्र ने थाने में की प्राचार्य की शिकायत, प्राचार्य ने बताया साजिश

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



उज्जैन। जिले के नागदा स्थित भारत कॉमर्स स्कूल के प्राचार्य डॉ. कुंज बिहारी गुप्ता द्वारा छात्रों के साथ अमानवीय व्यवहार करने का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में प्राचार्य छात्रों को मुर्गा बनाकर लात मारते और कांटेदार डंडे से पीटते नजर आ रहे हैं। इस मामले में कक्षा नौवीं-इ के छात्र के पिता दिनेश सिसौदिया ने 13 नवंबर को बिरलाग्राम थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए प्राचार्य के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

दिनेश सिसौदिया के अनुसार, गुरुवार सुबह उनका बेटा होमवर्क की कॉपी घर भूल गया था, जिस पर प्राचार्य ने उसे मुर्गा बनाकर उछल-कूद कराई, लात मारी और कांटेदार डंडे से पीटा। इससे एक दिन पहले बुधवार रात को भी प्राचार्य ने पड़ोसी सतीश वर्मा के घर दीपावली मिलने के दौरान उनके बेटे और पड़ोसी के बच्चे की कॉपियां मंगवाकर पिटाई की थी। शुक्रवार को जब पिता शिकायत करने स्कूल पहुंचे, तो प्राचार्य ने बदसलूकी करते हुए कहा कि वे ऐसे ही हैं और यदि अच्छा नहीं लगता तो बच्चे की टीसी निकलवा लें।

प्राचार्य ने बताया स्कूल से हटाने की प्रायोजित साजिश

प्राचार्य डॉ. गुप्ता ने आरोपों को खारिज करते हुए इसे खुद को स्कूल से हटाने की प्रायोजित साजिश बताया है। उनका कहना है कि उन्होंने बच्चों को लात नहीं मारी, बल्कि केवल ऊंचा किया था। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में नवोदय स्कूल से रिटायर होने के बाद जुलाई 2025 से यहां पदस्थ डॉ. गुप्ता पर इससे पहले जनवरी में भी बाल न कटवाने पर छात्रों के बाल काटने के आरोप लगे थे, लेकिन तब प्रबंधन ने कोई कार्रवाई नहीं की थी।

फिलहाल, बिरलाग्राम थाना प्रभारी जितेंद्र पाटीदार और स्कूल प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष सुल्तान सिंह शेखावत ने जांच और चार्जशीट के आधार पर उचित कार्रवाई करने की बात कही है।

बच्चों ने सुनाई कलेक्टर को कविता

कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने आंगनवाड़ी केंद्र अरनिया जागीर का किया निरीक्षण

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। सोनकच्छ के पीपलरावां में आयोजित मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान शिविर से पूर्व कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने आंगनवाड़ी केंद्र अरनिया जागीर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से 6 वर्ष तक के दर्ज बच्चों की संख्या, उनकी नियमित उपस्थिति तथा नाश्ता एवं पूरक पोषण आहार वितरण की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और बच्चों को मिलने वाला भोजन चखकर गुणवत्ता परखी।

कलेक्टर श्रीमती मीना ने गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के पंजीयन सहित प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और लाड़ली लक्ष्मी योजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी पात्र हितग्राही शासन की योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। केंद्र में कुपोषित बच्चों की स्थिति पूछने पर कार्यकर्ता ने



बताया कि केंद्र में वर्तमान में एक भी बच्चा सेम श्रेणी में नहीं है।

बच्चों के स्वास्थ्य व पोषण पर विशेष ध्यान रखा जाए

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि बच्चों के स्वास्थ्य व पोषण पर निरंतर विशेष ध्यान रखा जाए ताकि आगे भी कोई बच्चा गंभीर कुपोषण की श्रेणी में न आए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने बच्चों से भोजन की जानकारी लेते हुए आत्मीय सम्वाद किया। बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक कलेक्टर श्रीमती मीना को कविताएं सुनाई। कलेक्टर श्रीमती मीना ने अपने समक्ष बच्चों का वजन और ऊंचाई मापकर उपकरणों और रिकॉर्ड की जांच की। उन्होंने केंद्र में कम उपस्थिति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने तथा सभी बच्चों को समय पर यूनिफॉर्म वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने टीकाकरण की स्थिति जानी, केंद्र में लगी एलईडी टीवी को चालू करवाकर शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया और पेयजल की शुद्धता सुनिश्चित करने हेतु समय-समय पर पीएचई विभाग से पानी की जांच करवाने के निर्देश दिए।

22 लाख की सहायता राशि के स्वीकृति पत्र वितरित

देवास। मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) 2.0 योजनान्तर्गत श्रमिक परिवारों को अनुग्रह सहायता राशि का वितरण प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा ग्राम कुलेथ, जिला ग्वालियर से सिंगल क्लिक के माध्यम से किया गया।

इसी क्रम में नगर निगम देवास सीमा क्षेत्र के 10 हितग्राहियों को स्वीकृत राशि के प्रमाण पत्रों का वितरण सभापति रवि जैन द्वारा निगम के बैठक हॉल में किया गया। इस अवसर पर लोक निर्माण समिति अध्यक्ष गणेश पटेल, पार्षद प्रतिनिधि निलेश वर्मा, उपायुक्त जाकिर जाफरी उपस्थित रहे। सामान्य मृत्यु होने पर प्रत्येक हितग्राही के आश्रित को 2 लाख रुपये एवं दुर्घटना में मृत्यु होने पर 4 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई। इस प्रकार कुल 22 लाख रुपये की राशि का अंतरण किया गया। इस अवसर पर सभापति रवि जैन ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा संबल योजना अंतर्गत प्रदेश के सभी हितग्राहियों के आश्रितों को अनुग्रह सहायता प्रदान की गई है।

खरीफ के बाद अब रबी पर संकट के बादल

अल्पवर्षाः - 905 एमएम के बजाए हुई 703 एमएम, किसानों को दी जा रही कम पानी वाली फसलों की बोवनी की सलाह

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। शाजापुर। जिले में इस साल कम बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। सामान्य बारिश के मुकाबले जिले में काफी कम वर्षा दर्ज की गई है। इसका असर खरीफ की फसलों पर तो पड़ा ही है। वहीं अब रबी की बोवनी और सिंचाई को लेकर भी संकट गहराने लगा है। हालांकि कृषि विभाग का मानना है कि भले ही चुनौती है लेकिन इससे निपटने की उसकी पूरी तैयारी है।

जिले में इस साल मानसून किसानों की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाया। आंकड़ों के मुताबिक जिले में सामान्य बारिश 905.9 मिलीमीटर के मुकाबले महज 730 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। यानी सामान्य से करीब 22 प्रतिशत कम बारिश हुई है। प्रदेश के कम बारिश वाले 12 जिलों में शाजापुर भी शामिल रहा है। कम बारिश का असर खेती-किसानी पर साफ दिखाई दे रहा है। खरीफ



सीजन में सोयाबीन और मक्का जैसी फसलों को नुकसान की आशंका है। वहीं अब किसानों के सामने रबी सीजन की बोवनी और फसलों की सिंचाई की चुनौती खड़ी हो गई है। किसानों की चिंता है कि अगर जलाशयों में पर्याप्त पानी नहीं रहा तो गेहूं और चने जैसी रबी की फसलों को पर्याप्त सिंचाई मिलना मुश्किल हो जाएगा। ऐसे में खरीफ के बाद रबी सीजन भी प्रभावित होने की आशंका है।

कृषि विभाग का दावा, अवसर में बदलेंगे आपदा

कृषि विभाग के उपसंचालक नितेश कुमार यादव का कहना है कि शाजापुर जिले में इस बार औसत से कम बारिश हुई है जो एक बड़ी चुनौती है। हालांकि इस चुनौती से निपटने का दावा भी उनके द्वारा किया जा रहा है। उपसंचालक नीतीश कुमार यादव ने कहा कि वर्तमान में जो बारिश की स्थिति है उसे देखते हुए किसानों द्वारा ऐसी फसलों की बुवाई की जा रही है जिसमें पानी कम लगता हो। वही गेहूं की फसलों की भी ऐसी किस्म को बोया जा रहा है जिसमें पानी की जरूरत कम लगे हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि जिस तरह के हालात हैं उस पर नजर बनाए हुए हैं।

पेयजल के लिए भी खड़ा हो सकता है संकट

यह हालात पूरे जिले के हैं। इनमें केवल कालापीपल और शुजालपुर के हालात कुछ ठीक हैं। किसानों की माने तो फसलों के लिए ही नहीं बल्कि पीने के पानी के भी अभी से परेशानी खड़ी होने लगी है। किसान गोपाल भीमावद ने बताया कि अब नर्मदा के जल से ही उम्मीद है कि जल्द से जल्द पाईपलाईन का काम पूरा हो और इस संकट से निजात मिले।

चीलर बांध में भी 14 फीट ही हुआ भराव

नगर के एकमात्र पेयजल स्त्रोत चीलर बांध में भी 23 फीट क बजाए 14 फीट ही भर पाया है, जो वर्ष भर के लिए पेयजल के लिए तो पर्याप्त है लेकिन इस बार किसानों को सिंचाई के लिए पानी नहीं दिया जा सकेगा।

यानि कि जिला मुख्यालय पर भी अल्पवर्षा की मार साफ दिखाई दे रही है।

विकलांग को बेचा प्लॉट, अब धमकाकर कर रहे हड़पने का प्रयास, परिजनों ने प्रशासन से की कार्रवाई की मांग

शाजापुर। दो लोगो ने एक ग्रामीण को पहले तो प्लॉट बेच दिया। अब उस प्लॉट पर दोबारा कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। जिसके लिए वे लोग अब विकलांग और उसके परिवार को धमका रहे हैं। इसे लेकर पीड़ित परिवार कलेक्टर कार्यालय पहुंचा और शिकायत करते हुए कार्रवाई व न्याय दिलाने की मांग की है।

मामला जिले के ग्राम अली सरखेड़ का है। यहां रहने वाले जमील खान ने दो लोगों पर धोखाधड़ी कर जमीन बेचने और बाद में प्लाट पर कब्जा करने का आरोप लगाया है। जमील ने बताया कि उनके पिता दोनों आंखों से देख नहीं सकते और बोलने में भी असमर्थ हैं। जमील खान ने शिकायत में बताया कि उनके पिता फखरुद्दीन खान को शरीर के एक हिस्से में लकवे की शिकायत भी है। जिसमें बताया गया कि फखरुद्दीन ने सन 1998 में इब्राहिम खान से 2 हजार 400 रुपए में एक प्लाट खरीदा था। इसके लिए लिखा-पढ़ी भी कराई गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि अब दोनों उनसे जमीन वापस मांग रहे हैं।

ग्राम चौपाल पर किया गया बाल विवाह को लेकर जागरुक

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। कलेक्टर डॉ. परिक्षित संजयराव झाड़े के निर्देशन में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान अंतर्गत देवउठनी ग्यारस के अवसर पर बाल विवाह होने की आशंका को देखते हुए जिले में आमजन को बाल विवाह के दुष्परिणाम एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 का व्याप्त प्रचार-प्रसार किया जा रहा हैं।

महिला एवं बाल विकास विभाग जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय त्रिपाठी



एवं सहायक संचालक नीलम चौहान के मार्गदर्शन में वार्ड 17 में महिलाओं की चौपाल लगाई गई।

महिलाओं को बताए बाल विवाह के दुष्परिणाम

चौपाल में महिलाओं को बाल विवाह के दुष्परिणाम बताये गए। साथ ही बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम-2006 की जानकारी देते हुए बालक का विवाह 21 वर्ष एवं बालिका का 18 वर्ष आयु पूर्ण होने पर विवाह करने की जानकारी दी गई एवं सजा के प्रावधानों के संबध में जानकारी दी गई। इस अवसर पर बाल विवाह की सूचना जिला एवं ब्लाक स्तर पर गठित कंट्रोल रूम, नजदीकी थानों, चाइल्ड हेल्प लाइन 1098, वन स्टाप सेंटर 181 पर देने की जानकारी दी गई। गोरतलब है कि बाल विवाह रोकथाम अभियान में जन समुदाय द्वारा सहभागिता की जा रही हैं, जिसके अंतर्गत दीपावली के अवसर पर आमजनों द्वारा अपने-अपने घरों के बाहर बाल विवाह रोकथाम का संदेश देने वाली रंगोली बनाई गई।

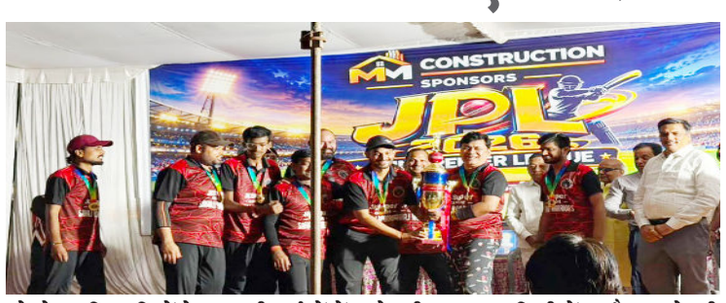
प्रतियोगिता सक्षम गोलेछा ने फायनल मुकाबले में 28 गेंदों पर खेली 94 रनों की नाबाद पारी

वारियर्स के सिर सजा जीपीएल क्रिकेट का सेहरा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। हायर सेकेंड्री मैदान पर जैन समाज के युवाओं द्वारा एक दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दूसरी बार हुई प्रतियोगिता के दौरान गेंद ओर बल्ले के बीच करीब 11 घंटे चली जोरदार जंग में 4 टीमों के बीच एक से बढ़कर एक रोमांचक ओर कांटे की टक्कर के मुकाबले हुए।

हर मैच 16 ओवर यानि 8 ओवर प्रति इनिंग के आधार पर टीमों ने बल्लेबाजी ओर गेंदबाजी की। कुल 6 मैचों की श्रंखला का अंतिम फायनल मुकाबला शाम 4:30 बजे खेला गया। जो स्वदेश सुपर किंग्स एवं सहज वारियर्स क्रिकेट टीम के बीच हुआ, फायनल मुकाबले में सहज वारियर्स द्वारा दिए गए 174 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए स्वदेश सुपर किंग्स के बल्लेबाजों ने विपक्षी टीम को कांटे की टक्कर देते हुए स्कोर 155 रनों तक पहुंचा दिया। इस चुनौतीपूर्ण मुकाबले में सहज वारियर्स को 19 रनों से जीत हासिल हुई। प्रतियोगिता



को लेकर खिलाड़ियों के साथ ही दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला।

चार टीमें हुई शामिल

आयोजन समिति के मुख्य सदस्य निखिल जैन ने बताया कि सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक करीब 11 घंटे आयोजित उक्त क्रिकेट प्रतियोगिता में स्वदेश सुपर किंग्स, सहज वारियर्स, मैनेजर इलेवन तथा संकल्प इलेवन इस प्रकार कुल 4 टीमें शामिल हुई। लीग मैचों को जीतने के बाद प्रतियोगिता के अंतिम ओर फायनल मैच में पहुंची स्वदेश सुपर किंग्स ओर सहज वारियर्स के बीच जमकर छिड़ी गेंद और बल्ले की रोमांचक जंग में आखिरकार सहज वारियर्स ने फायनल मुकाबला जीत लिया। बावजूद इसके अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर प्रतियोगिता के मेन आफ द सिरीज की ट्राफी टूनार्मेंट में 160 रन बनाने वाले स्वदेश सुपर किंग्स के अनुभवी बल्लेबाज निखिल जैन तथा बेस्ट बालर आफ द सिरीज की ट्राफी श्रंखला में कुल 5 विकेट लेने वाले स्वदेश सुपर किंग्स के गेंदबाज शुभ जैन के नाम रही, वहीं पूरी श्रंखला के बेस्ट बेट्समेन सहज वारियर्स के तूफानी बल्लेबाज पराग जैन रहे, जिन्होंने अंतिम मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए ताबड़तोड़.बल्लेबाजी करने वाले स्वदेश सुपर किंग्स के बल्लेबाज सक्षम गोलेछा को अपना खिताब सौंप दिया।

पुरस्कार वितरण हुआ

कार्यक्रम समापन पर पुरूस्कार वितरण समारोह में बतौर अतिथि उपस्थित सकल जैन समाज अध्यक्ष सपन जैन, लोकेन्द्र नारेलिया, सुनील नाहर, लोकेश जैन, प्रतीक जैन, टूनार्मेंट स्पांसर उत्कर्ष गुप्ता, टी-शर्ट स्पांसर जे.के.सीमेंट के प्रतिनिधि अंशुल सकलेचा, खलील भाई तथा मोनी आर्य ने प्रतियोगिता की विजेता एवं उप विजेता टीम को पुरूस्कार स्वरूप ट्राफी एवं खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए। प्रतियोगिता में अंपायर की भूमिका अमित छबलानी तथा वीरेंद्रसिंह पंवार ने निभाई। कार्यक्रम का संचालन आयोजन समिति सदस्य जैन युवक महासंघ जिलाध्यक्ष मंगल नाहर ने किया। इस अवसर पर उक्त प्रतियोगिता में 4 टीमों के कुल 44 खिलाड़ी, उनके परिजनों सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

शरीर के पिता अलग-अलग, लेकिन आत्मा का पिता एक परमात्मा: दीदी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



देवास। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय कालानी बाग सेंटर में उत्कृष्ट सेवा कार्य करने भाई बहनों का जिला मुख्य संचालिका ब्रह्माकुमारी राजयोगिनी प्रेमलता दीदी द्वारा शाल, श्रीफल से सम्मान किया गया। इस दौरान ब्रह्माकुमारी प्रेमलता दीदी ने अपनी अमृतवाणी में कहा कि आग लग जाए तो सबसे पहले जल को ही याद किया जाता है। क्योंकि उसमें शीतलता होती है। जिससे अग्नि शीतल हो जाती है। लेकिन अगर जल को अग्नि पर तपाया जाए तो वह गर्म हो जाता है।

गर्म जल आपके शरीर पर गिर जाए तो चमड़ी जल जाती है। क्योंकि वह आग की संगत में शीतलता खो देता है। उसी प्रकार जो आत्मा ओरिजिनल होती है उसमें विकार नहीं होते है। हम सब परमात्मा की संताने हैं।

परमात्मा सुख का सागर है

दीदी ने कहा कि परमात्मा सुख का सागर है। लेकिन काम क्रोध लोभ मोह इन विकारों के कारण हम दुखी हो जाते हैं। दीदी ने आगे कहा कि मन हमारा कर्मचारी है, हम उसके मालिक हैं। लेकिन आत्मा को हम शक्तिशाली नहीं समझने के कारण हमें मन चला रहा है। क्योंकि आत्मा हमारी निर्बल हो चुकी है। परमात्मा को हम याद करना तो चाहते हैं पर मन नहीं लगता। परमात्मा ही पिता है तो परमात्मा को याद करना क्यों नहीं चाहते। जो हमारे जन्म जन्म का पिता है। शरीर का पिता अलग अलग होता है। लेकिन आत्मा का पिता एक ही परमात्मा है। हमारा आत्म बल कमजोर होने के कारण बर बस हो जाते है। आगे कहा कि क्रोध आता है तो आंखें लाल हो जाती हैं। क्रोध आग है, आग का अनुभव भी है।

कलेक्टर के सामने विधायक की दो टूक-मेरे किसानों को 10 घंटे बिजली चाहिए

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। जिले के फतेहगढ़ कस्बे आयोजित मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान का मंच उस समय तीखे तेवरों और जनता के दर्द का गवाह बन गया, जब बमोरी विधायक इंजीनियर ऋषि अग्रवाल ने कलेक्टर, एसपी और तमाम आला अधिकारियों की मौजूदगी में बिजली कटौती और जिला अस्पताल की बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर मोर्चा खोल दिया।

मंच से अधिकारियों को सीधा संदेश देते हुए विधायक ने कहा-मेरे किसानों को तो पूरे वोल्टेज के साथ 10 घंटे बिजली चाहिए तो चाहिए। बिजली संकट पर अधिकारियों को घेरते हुए विधायक अग्रवाल ने कलेक्टर से सीधा संवाद किया। उन्होंने बिजली कंपनी के अधीक्षण यंत्री की कार्यप्रणाली सुधारने और व्यवस्था को पटरी पर लाने का मंत्र देते हुए एक अधिकारी की प्रशंसा करते हुए कहा कलेक्टर साहब, आज सक्सेना जी को फ्री हैंड कर दो, मैं चैलेंज से कह रहा हूँ कि 24 घंटे में पूरे क्षेत्र की लाइट दुरुस्त हो जाएगी। इन्हें इस पूरे खेल का आइडिया है। आप तो बस इनसे इतना कह दीजिए कि मेरे किसानों को लाइट चाहिए।



विधायक अग्रवाल ने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए आगे कहा कि उन्हें इस क्षेत्र में काम करते हुए 20 साल हो गए हैं और वे विभाग की हर नस से वाकिफ हैं। ऑफिसों में तार और खंभों का ढेर लगा है, लेकिन समय पर मेंटेनेंस नहीं होता। सिंचाई के पीक सीजन में हो रही अघोषित कटौती पर किसानों की पीड़ा बयां करते हुए विधायक भावुक और आक्रामक दोनों दिखे। उन्होंने कलेक्टर से कहा कि इन लोगों की शक्लें देखिए कलेक्टर साहब, ये बेचारे सो नहीं पा रहे हैं। रात को दो-दो बजे मुझे फोन करते हैं। एक तरफ इनसे बिल की पूरी वसूली की जा रही है, ये पैसे भी भर रहे हैं, और बदले में इन्हें 4 घंटे भी लाइट नहीं मिल रही।

स्वास्थ्य सेवाओं की भी खोली पोल

बिजली के साथ-साथ विधायक ने स्वास्थ्य सेवाओं की पोल भी खोली। उन्होंने बमोरी क्षेत्र के अस्पतालों में सुधार के लिए कलेक्टर को धन्यवाद तो दिया, लेकिन जिला अस्पताल की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने दावा किया कि डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल में रात को जब कोई प्रसूता या मरीज पहुंचता है, तो कह दिया जाता है कि बीपी शूट कर रहा है, इसे हायर सेंटर ले जाओ। हैरानी की बात यह है कि वही मरीज जब किसी प्राइवेट अस्पताल जाता है, तो वहां उसकी नॉर्मल डिलीवरी हो जाती है।

स्वास्थ्य सेवाओं में बहानेबाजी नहीं चलेगी। विधायक के तीखे तेवरों और ग्रामीणों की भारी भीड़ के बीच प्रशासनिक अमले ने स्थिति को संभाला। कार्यक्रम के अंत में कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल की ओर से बिजली कंपनी के एसई को कार्यप्रणाली सुधारने के निर्देश दिए गए और मंच से आश्वस्त किया गया कि दुरुस्तीकरण का काम तत्काल शुरू कर कल से बिजली आपूर्ति सुचारू कर दी जाएगी।



दिग्विजय सिंह ने जताया शोक

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। अवध नारायण त्रिपाठी के निधन पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और जयवर्धन सिंह उनके निवास पहुंचे। दोनों ने परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की और उन्हें ढांढस बंधाया। दिग्विजय सिंह ने परिजनों से अवध नारायण त्रिपाठी के निधन से जुड़ी परिस्थितियों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने दिवंगत कांग्रेस नेता और वॉलीबॉल खिलाड़ी कैलाश नारायण त्रिपाठी के साथ अपने पुराने संबंधों को याद किया स्वर्गीय अवध नारायण त्रिपाठी गौरव त्रिपाठी के पिता और कैलाश नारायण त्रिपाठी के छोटे भाई थे। इस अवसर पर विधायक हरीबाबू राय, कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेंद्र कुशवाह, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी यादवेंद्र सिंह यादव और त्रिपाठी परिवार के सदस्य मौजूद रहे।

एक्सीलेंस स्कूल में बाल दिवस मना



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। बाल दिवस के अवसर पर एक्सीलेंस स्कूल अशोक नगर में छात्रों ने बहुत सुंदर इंस्टॉल लगाया । जिसमें स्कूल ने सभी बच्चों का उत्साह वर्धन किया एवं ब्रह्माकुमारी संस्था की लीला दीदी ने कहा कि बच्चे अपना कार्य सुचारू रूप से करें,माता-पिता और गुरु का सम्मान करें ।

उन्होने बच्चों को संस्कारित करने की बात कही। कार्यक्रम में एक्सीलेंस स्कूल की डायरेक्टर डॉक्टर रजनी शुक्ला ने स्मृति चिन्ह देकर दीदी का सम्मान किया । सभी बच्चों ने स्टॉल में जो खाद्य पदार्थ सजाए थे उनकी उसके बनाने की विधि भी बताई गई । कार्यक्रम में बच्चों से कहा गया कि वह शिक्षा के साथ-साथ आध्यात्मिकता से भी जुड़े जिससे हमारा संपूर्ण विकास हो और हम समाज को अग्रसर करने में अपना योगदान दें।

CAIT की नई शाखा का गठन, सचिन कंसल बने अध्यक्ष

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। शहर के व्यापारियों को एक मजबूत मंच पर एकजुट करने एवं उनके हितों की आवाज को मजबूती देने की दिशा में राष्ट्रीय व्यापारी संगठन सीएआईटी अर्थात अ. भा. व्यापारी परिसंघ का गठन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष पवन जैन एवं प्रदेश संगठन मंत्री गोपेंद्र जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस दौरान बताया गया कि सीएआईटी देश का एक प्रमुख राष्ट्रीय व्यापारी संगठन है, जो छोटे एवं मध्यम व्यवसायों, खुदरा विक्रेताओं तथा व्यापारियों के हितों का प्रतिनिधित्व करता है। संगठन के अनुसार देशभर में इसके माध्यम से 9 करोड़ से अधिक व्यापारी जुड़े हुए हैं तथा 40 हजार से अधिक व्यापारिक संघ इसका हिस्सा हैं। सीएआईटी व्यापारियों को GST, डिजिटल भुगतान एवं आधुनिक व्यापारिक तकनीकों के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.सी. भरतिया एवं राष्ट्रीय महासचिव प्रवीण खंडेलवाल हैं।

उपाध्यक्ष ने संगठन की उपयोगिता पर डाला प्रकाश

कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष पवन जैन ने संगठन की उपयोगिता एवं व्यापारियों के लिए इसके महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि संगठन के माध्यम से व्यापारी अपनी समस्याओं को सामूहिक रूप से उठा सकते हैं तथा अपने अधिकारों एवं हितों की रक्षा के लिए एक मजबूत आवाज बन सकते हैं, वहीं प्रदेश संगठन मंत्री गोपेंद्र जैन ने भी अपने संबोधन में संगठन की मजबूती एवं उससे मिलने वाले लाभों की जानकारी दी। उन्होंने शिवपुरी का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां संगठन से लगभग 1000 से अधिक व्यापारी जुड़ चुके हैं। उन्होंने अशोकनगर में भी इसी प्रकार एक बड़ा और मजबूत व्यापारी संगठन खड़ा करने का आह्वान किया।



नवीन कार्यकारिणी घोषित

संगठन की नवीन कार्यकारिणी में अध्यक्ष सचिन कंसल, संगठन मंत्री अभिजीत जैन, महासचिव रामकृष्ण रघुवंशी, कोषाध्यक्ष अमित गोयल को बनाया गया है। आगामी समय में संगठन का विस्तार करते हुए अन्य पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों की नियुक्ति आपसी विचार-विमर्श से की जाएगी। कार्यक्रम में डॉ. राजेश कुमार, संजय रघुवंशी, आनंद गांधी, नीरज शुक्ला, अंशुल कंसल, पंकज छाबड़ा, नीरज कंसल, योगेश गुप्ता, नितिन कंसल, रजनीश चितकारा, मधुकर गुप्ता, विनोद सोनी, अनुज सेठ, शरद गुप्ता, संजीव भारिल, मनोज कंसल एवं अरुण अग्रवाल सहित अनेक व्यापारी बंधु उपस्थित रहे।

संगठन की मजबूती का लिया गया संकल्प

सभी उपस्थित व्यापारियों ने संगठन को मजबूत बनाने, अधिक से अधिक व्यापारियों को जोड़ने तथा व्यापारिक एकता और आपसी सहयोग के साथ आगे बढ़ने का संकल्प लिया। इस दौरान बताया गया कि अशोकनगर में सीएआईटी संगठन का गठन व्यापारियों के हितों की रक्षा, व्यापारिक एकता और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी आवाज बुलंद करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक- जितेंद्र कोठारी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.लि. राऊखेड़ी, देवास रोड, इंदौर (म.प्र.) 453771 से मुद्रित एवं 107, प्रथम माला, स्वदेश भवन, ए.बी. रोड, इंदौर (म.प्र.) 452011 से प्रकाशित। संपादक-राघवेंद्र*।
आरएनआई नं. एमपीबीआईएल/2020/80117, फोन- 0731 3144237, मो. 83570 89000, Email-mradubhashi.news@gmail.com। समाचार चयन के लिए पीआरपी एक्ट के तहत जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।)

भाजपा की जिला बैठक में संगठन की मजबूती, एकजुटता और आगामी चुनाव जीत पर रहा फोकस

जनहित के मुद्दे छोड़कर भ्रम फैलाने में लगा हुआ है विपक्ष: चंद्रशेखर

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

महेश्वर। भारतीय जनता पार्टी की जिला बैठक शनिवार को महेश्वर में आयोजित की गई। महेश्वर के निजी होटल में आयोजित बैठक में वक्ताओं का संगठन की मजबूती, एकजुटता और आगामी चुनाव जीत पर फोकस रहा। जिलाध्यक्ष नंदा ब्राह्मणे ने विधानसभा, बुथ, मंडल एवं शक्ति केंद्र का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए संगठन स्तर पर किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। इस दौरान प्रदेश संगठन मंत्री चंद्रशेखर तिवारी, राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद गजेंद्र पटेल, खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटील, किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा, खरगोन विधायक बालकृष्ण पाटीदार, महेश्वर विधायक राजकुमार मेव, बड़वाह विधायक सचिन बिरला, जिला पंचायत अध्यक्ष अनुबाई तंवर, मंचासीन रहे। बैठक समापन पर विधायक मेंव ने कार्यकताओं को शिवलिंग उपहार स्वरुप भेंट किए गए।

बैठक में मुख्य वक्ता प्रदेश संगठन मंत्री चंद्रशेखर तिवारी ने कहा आज के दौर में चुनाव के मुद्दे बदल गए है। विपक्ष विकास और जनहित के मुद्दों से भटककर भ्रम फैलाने वाली राजनीति कर रहा है। इस भ्रम को तोड़ने के लिए हमें आगामी चुनावों में नए मतदाता, युवाओं और महिलाओं पार्टी से जोड़ना होगा।

जेन-जी को कांग्रेस और भाजपा का अंतर समझने की जरुरत

उन्होंने कहा कि वर्तमान में जेन-जी को कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकाल का अंतर समझाने की जरुरत



है। नई पीढ़ी को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीरामजन्म भूमि मुक्ति आंदोलन, गो.रक्षा और गो.संवर्धन आंदोलन, रामसेतु रक्षा आंदोलन, गंगा स्वच्छता एवं अविरलता आंदोलन, राष्ट्रीय एकता और संवैधानिक मुद्दे, एक देश- एक विधान को लेकर अनुच्छेद 370 हटाओ आंदोलन एवं समान नागरिक संहिता जैसे आंदोलनों की जानकारी देकर पार्टी की विचारधारा से जोड़ना होगा। उन्होंने कहा भाजपा ऐसी पार्टी है जो चुनाव में जितने के बाद भी कभी अहंकार, उन्माद या आलस्य नही करती। हम हार से भी सबक लेते है। संगठन को धार देने के साथ-साथ सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर पहुंचाने के साथ आमजन से संवाद कर बेहतर समन्वय बनाना समय की मांग है। भाजपा नेताओं का कहना है कि उनकी कार्यशैली राष्ट्रहितए विकासए स्टार्टअप और डिजिटल पारदर्शिता पर आधारित है। पार्टी का आरोप है कि विपक्ष संवैधानिक संस्थाओं और मतदाता सूची;पत्द्ध जैसे मुद्दों पर युवाओं के बीच भ्रम फैलाकर अराजकता पैदा करने की कोशिश कर रहा है।

विपक्ष परिवारवाद, भ्रष्टाचार, अराजकता के समर्थक

संगठन महामंत्री ने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि वर्तमान में विपक्ष विकास, जनहित के मुद्दों पर नही बल्कि भ्रामक मुद्दों पर सत्ता पक्ष के खिलाफ माहौल बना रहा है। जबकि बीजेपी एक मात्र कार्यकताओं की पार्टी है। वहीं विपक्ष परिवारवाद, भ्रष्टाचार में लिप्त होकर सत्ता लालच में अराजकता को समर्थन कर रहा है।

अजजा वर्ग तक सीमित न रहें गौरव दिवसः पाटिल

बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद गजेंद्र पटेल ने उपस्थित कार्यकताओं से आह्वान किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2021 में 15 नवंबर को महान क्रांतिकारी आदिवासियों के भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को गौरव दिवस के रुप में घोषित किया है। यह गौरव दिवस केवल आदिवासियो तक सीमित न रहे। जिले के हर विधानसभा में स्थापित महापुरुषों, महानायकों, क्रांतिकारियों की प्रतिमा स्थल पर सफाई अभियान चलाने के बाद शाम के समय एक दीप जलाकर उनके राष्ट्र के प्रति समर्पण, बलिदान को नमन करें। बैठक को खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटील ने भी संबोधित किया। उन्होंने कार्यकताओं को आमजन के बीच संवाद स्थापित करने के लिए प्रेरित किया।

प्रदेश उपाध्यक्ष एवं निमाड़ संभाग प्रभारी सुरेंद्र शर्मा ने उपस्थित पदाधिकारियों से परिचय लेने के साथ ही संगठनात्मक अभियानों की जानकारी ली। मन की बात प्रभारी दीपक ठाकुर ने रिपोर्टिंग प्रस्तुत की। जिला महामंत्री प्रकाश पाटीदार ने लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के तहत होने वाली गतिविधियों की जानकारी दी। जिला मीडिया प्रभारी कांतिलाल कर्मा ने बताया संचालन जिला महामंत्री प्रकाश पाटीदार ने किया। आभार जिला महामंत्री विवेक भटोरे ने माना। बैठक में राष्ट्रगीत जिला उपाध्यक्ष शालिनी रतोरिया ने लिया। बैठक में जिला उपाध्यक्ष प्रभा राठौड़, जिला उपाध्यक्ष शंभू सिंह मनहर, जिला कार्यालय मंत्री विजय पटेल, महेश्वर मंडल अध्यक्ष विक्रम पटेल, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष शीला पटेल, अजजा मोर्चा जिलाध्यक्ष संतोष सोलंकी, अजा मोर्चा जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर भालसे, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष अंकुश जायसवाल, पिछड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष गणेश पटेल, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष नारायण पाटीदार, पूर्व जिलाध्यक्ष परसराम चौहान, पूर्व जिलाध्यक्ष कल्याण अग्रवाल, पूर्व विधायक बाबूलाल महाजन, पूर्व विधायक हितेंद्र सिंह सोलंकी, पूर्व विधायक जमनासिंह सोलंकी सहित अपेक्षित कार्यकर्ता-पदाधिकारी मौजूद रहे।

रेल पटरी की आड़ में चल रहा था लाखों का जुआ

रहवासियों का वीडियो सामने आने पर हुआ खुलासा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। कैंट थाना क्षेत्र के गोमती गार्डन स्थित चौरसिया कॉलोनी में रेल पटरी की आड़ में लंबे समय से चल रहे जुए के अवैध कारोबार का बड़ा खुलासा हुआ है। यहां रोजाना लाखों रुपए के दांव लगाकर जुआ खेला जा रहा था, जिससे पूरी कॉलोनी का माहौल खराब हो रहा था। हैरानी की बात यह है कि क्षेत्र में जुआरियों का इतना बड़ा जमावड़ा लगने के बावजूद कैंट पुलिस को इसकी भनक तक नहीं थी।

आखिरकार, शनिवारको दोपहर करीब साढ़े 12 बजे स्थानीय रहवासियों ने इस अवैध गतिविधि का खुद वीडियो बना लिया, जिसके बाद यह पूरा मामला सबके सामने उजागर हो गया। रहवासियों द्वारा बनाए गए इस वीडियो ने जुए के फड़ की पूरी पोल खोल कर रख दी है। वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय लोगों ने कैंट पुलिस से इस मामले में तत्काल सख्त कार्रवाई करने और अवैध जुए के इस अड्डे को स्थायी रूप से बंद कराने की गुहार लगाई है। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि रहवासियों द्वारा सबूत के तौर पर वीडियो सामने लाए जाने के बाद कैंट



पुलिस इस अवैध गतिविधि पर कब तक और क्या कार्रवाई करती है।

छात्राओं ने सजाए स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बाल दिवस का पर्व बेहद हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में एक भव्य बाल मेले का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेते हुए विभिन्न प्रकार के चटपटे और स्वादिष्ट व्यंजनों के आकर्षक स्टॉल लगाए।

कार्यक्रम की शुरूआत संस्था की प्राचार्य मृदुला सक्सेना द्वारा फीता काटकर की गई। उन्होंने छात्राओं के सभी स्टॉलों का बारीकी से अवलोकन किया और उनके प्रयासों की जमकर सराहना की। इस दौरान छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता और प्रबंधन कौशल का शानदार प्रदर्शन किया।

स्वयं के तैयार किए गए व्यंजनों की सुंदर प्रस्तुति इस मेले का मुख्य आकर्षण रही। छात्राओं को संबोधित करते हुए प्राचार्य मृदुला सक्सेना ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों की प्रतिभा, रचनात्मकता और आत्मविश्वास को निखारने का बेहतरीन माध्यम हैं। इनसे छात्राओं में आत्मनिर्भरता, आपसी सहयोग और टीम भावना का विकास होता है।

सड़क धंसने से बनी ऊंची-नीची धारी बन रही हादसों की वजह, बाइक सवार का पैर फैक्चर

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

राजगढ़। राजगढ़ ब्लॉक के चाटूखेड़ा जोड़ के पास गुराड़िया गांव के नजदीक सड़क की बदहाल स्थिति वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। यहां सड़क का एक हिस्सा नीचे धंस गया है, जबकि दूसरी तरफ का हिस्सा ऊंचा है। इसके चलते सड़क पर एक उभरी हुई पट्टी जैसी स्थिति बन गई है, जिसे पार करते समय दोपहिया वाहनों का संतुलन बिगड़ रहा है और वाहन चालक दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं।

शनिवार को भी इसी स्थान पर एक सड़क हादसा हो गया। उत्तर प्रदेश निवासी अनंत कुमार बाइक से गुजर रहे थे। इसी दौरान सड़क पर बनी ऊंची-नीची पट्टी को पार करते समय उनकी बाइक असंतुलित होकर गिर गई। हादसे में अनंत कुमार का पैर फैक्चर



हो गया। उन्हें उपचार के लिए राजगढ़ अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

स्थानीय स्तर पर इस स्थान पर आए दिन दुर्घटनाएं होने की बात सामने आ रही है। सड़क की सतह में आए इस अंतर के कारण वाहन चालकों को अचानक झटका लगता है और विशेषकर दोपहिया वाहन चालक अपना संतुलन खो बैठते हैं। सवाल यह है कि सड़क का एक हिस्सा धंसने के बाद भी संबंधित विभाग ने अब तक इसकी मरम्मत क्यों नहीं कराई? क्या जिम्मेदार विभाग किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है? जरूरत है कि संबंधित विभाग तत्काल मौके की जांच कर सड़क को समतल करवाए और तब तक दुर्घटनाओं से बचाव के लिए चेतावनी संकेतक लगाए।

समय रहते सड़क की इस खामी को दुरुस्त नहीं किया गया तो यह लापरवाही किसी और गंभीर हादसे की वजह बन सकती है।

टेकरी सरकार पर अन्नकूट में 30 हजार श्रद्धालुओं ने ली प्रसादी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। जिले के सबसे बड़े धार्मिक स्थल भगवान श्री हनुमान टेकरी मंदिर पर शनिवार को अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर मंदिर परिसर को सुंदर और आकर्षक फूलों से भव्य रूप से सजाया गया था। आयोजकों के मुताबिक करीब 30 हजार श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की है।

7 हजार से ज्यादा पैकेट बांटे गए। इसके बाद भव्य आरती हुई और तुरंत बाद महाप्रसादी वितरण का सिलसिला शुरू हो गया। आयोजन को सफल बनाने के लिए आयोजकों द्वारा पहले से ही व्यापक तैयारियां की गई थीं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को व्यवस्थित ढंग से प्रसादी कराने के लिए एक विशाल पांडाल तैयार किया गया था, जिसमें हजारों लोगों ने एक साथ बैठकर प्रसादी ग्रहण की। इसके अतिरिक्त, श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए भोजन के पैकेट भी वितरित किए गए। गौरतलब है कि हनुमान टेकरी मंदिर पर अन्नकूट महोत्सव का यह आयोजन पिछले 40 सालों से लगातार किया जा रहा है।

गुना-बजरंगगढ़ में अवैध खनिज परिवहन कर रहे डंपर जब्त किए



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निदेशानुसार जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन, भंडारण और विक्रय के विरुद्ध खनिज विभाग द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में खनिज विभाग की टीम ने आकस्मिक भ्रमण के दौरान अवैध खनिज परिवहन में संलिप्त दो डंपरों को जब्त करने में सफलता हासिल की है। कार्रवाई के दौरान गुना नगर में एक डंपर को खनिज का ओवरलोड परिवहन करते पाए जाने पर तत्काल जब्त किया गया और उसे सुरक्षा की दृष्टि से कलेक्ट्रेट परिसर में खड़ा करवाया गया। इसी प्रकार, बजरंगगढ़ के समीप गिट्टी का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर एक अन्य डंपर को जब्त कर बजरंगगढ़ थाने की अभिरक्षा में रखवाया गया है। दोनों ही मामलों में संबंधित वाहन चालकों और मालिकों के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। इस पूरी कार्रवाई में प्रभारी खनिज निरीक्षक विजय कुमार चक्रवर्ती सहित खनिज विभाग का मैदानी अमला उपस्थित रहा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशन में जिले भर में अवैध खनिज गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है ।

5 घंटों तक अनेक कॉलोनियों में ठप रही बिजली सप्लाई

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। शहर के एक बड़े हिस्से में शुक्रवार को बिजली गुल रहने से आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। नानाखेड़ी सबस्टेशन पर मेनबस के मेंटेनेंस कार्य के चलते बिजली कंपनी द्वारा सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक शटडाउन लिया गया था, जिससे शांति पब्लिक स्कूल, सिसौदिया कॉलोनी, दुर्गा कॉलोनी, जगदीश कॉलोनी, अन्नपूर्णा कॉलोनी, कर्नलगंज, हेड पोस्ट ऑफिस, त्रिमूर्ति कॉलोनी, दीनदयाल नगर, बृजबिहार कॉलोनी, सुंदर नगर, नानाखेड़ी मंडी, वी.आई.पी. कॉलोनी, न्यूसिटी कॉलोनी, पीताम्बरा बिहार, केशरबाग, दलवी कॉलोनी, हाउसिंग बोर्ड, गायत्री कॉलोनी, शिवाजी नगर, संगम कॉलोनी, संत सुधा सागर कॉलोनी, गोपालपुरा, एमपी नगर, यादव रॉयल सिटी, पेंशनर मोहल्ला, पुलिस कंट्रोल रूम और भगत सिंह कॉलोनी सहित 50 से अधिक प्रमुख कॉलोनियों और इलाकों में बिजली सप्लाई पूरी तरह बाधित रही।

पूर्व निर्धारित पांच घंटे के इस शटडाउन और उसके बाद के घंटों में बिजली आपूर्ति सुचारू न होने के कारण भीषण उमस और गर्मी से लोग बेहाल नजर आए। दिनभर बिजली न मिलने से पानी की सप्लाई से लेकर रोजमर्रा के जरूरी कामकाज पूरी तरह ठप पड़ गए।

रेडक्रॉस ने जिले को कराई एंबुलेंस उपलब्ध



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ और प्रभावी बनाने के लिए भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की राज्य शाखा ने जिले को नई एम्बुलेंस उपलब्ध कराई है।

उक्त जानकारी रेडक्रॉस सोसायटी के प्रदेश प्रतिनिधि डॉक्टर हरवीर सिंह रघुवंशी द्वारा दी गई उन्होंने बताया कि रेड क्रॉस सोसाइटी के राज्य शाखा के अध्यक्ष राज्यपाल मंगु भाई पटेल ने शुक्रवार को लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम में एम्बुलेंस का लोकार्पण कर उन्हें हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।एनएचडीसी लिमिटेड भोपाल ने निगमीय सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत प्रदेश की 6 जिला शाखाओं को ये एम्बुलेंस उपलब्ध कराईं हैं। इनका वितरण सिवनी, खंडवा, छिंदवाड़ा, अशोकनगर, नरसिंहपुर और भोपाल जिला शाखाओं को किया गया है। इसके अलावा राज्यपाल के अनुदान से रेडक्रॉस मध्यप्रदेश राज्य शाखा को भी एक एम्बुलेंस प्रदान की गई है।रेडक्रॉस राज्य शाखा के महासचिव रामेंद्र सिंह ने कहा कि इससे जिलों में मरीजों को आपातकालीन परिस्थितियों में समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

बाल दिवस मना

गुना। बजरंगगढ़ के विभिन्न विद्यालयों में बाल दिवस का पर्व बेहद हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत माँ सरस्वती जी और देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के चित्रों पर माल्यार्पण कर नमन करने के साथ की गई। उत्सव के दौरान नन्हें-मुन्ने विद्यार्थियों ने विज्ञान और कला से जुड़े विभिन्न प्रकार के आकर्षक मॉडल व प्रोजेक्ट तैयार कर उनकी प्रदर्शनी लगाई।

आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में गूंजा स्वास्थ्य संदेश

गुना। विश्व मधुमेह दिवस और बाल दिवस पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिलेभर के आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर विशेष स्वास्थ्य जांच एवं जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देश और सीएमएचओ डॉ. आर.आर. माथुर के मार्गदर्शन में आयोजित इन शिविरों का उद्देश्य आमजन को डायबिटीज जैसी बीमारी के प्रति सतर्क करना और बच्चों के स्वास्थ्य व पोषण की नींव मजबूत करना था।शिविरों में स्वास्थ्य कर्मियों ने नागरिकों को डायबिटीज के कारण, लक्षण और बचाव के व्यावहारिक उपाय बताए।

विशेषज्ञों ने समझाया कि अत्यधिक प्यास लगना, बार-बार पेशाब आना, बिना वजह वजन घटना और थकान महसूस होना डायबिटीज के लक्षण हो सकते हैं। इससे बचाव के लिए संतुलित आहार, नियमित पैदल चलना और समय पर ब्लड शुगर की जांच कराने की सलाह दी गई। कार्यक्रम का दूसरा अहम पहलू बच्चों का स्वास्थ्य और पोषण रहा। डॉक्टरों ने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए नियमित टीकाकरण, व्यक्तिगत स्वच्छता और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दें।



80 लीटर अवैध हाथ भट्टी मदिरा जब्त, एक गिरफ्तार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। जिले में अवैध मदिरा के विनिर्माण, विक्रय, संग्रहण और परिवहन के विरुद्ध आबकारी विभाग द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आबकारी वृत्त गुना-1 की टीम ने ग्राम मुहालपुर में दबिश देकर 80 लीटर अवैध हाथ भट्टी मदिरा जब्त करने में सफलता हासिल की है। एसपी राजीव मिश्रा ने बताया कि जिले में अवैध शराब को लेकर लगातारअभियान चलाया जा रहा है और यहअभियान आगे भी जारी रहेगा।

जब्त की गई मदिरा की कुल कीमत 24 हजार रुपये आंकी गई है। जिला आबकारी अधिकारी गुरुप्रसाद केवट के मार्गदर्शन में 14 नवंबर 2026 को आबकारी वृत्त गुना-1 के प्रभारी राधाकिशन द्वारा ग्राम मुहालपुर में तड़के सुबह मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई की गई। इस दौरान ग्राम निवासी जंडेल पुत्र भगवान सिंह यादव (32 वर्ष) के आवास की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान तीन बोरियों में रखे 200 पन्नी पाउच में भरी कुल 80 लीटर हाथ भट्टी मदिरा बरामद की गई। जब्त मदिरा मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त प्रतीत होने पर आवश्यक जांच के वास्ते नमूने लेकर एफएसएल ग्वालियर भेजने की कार्रवाई की गई। इस पूरी कार्रवाई में आबकारी प्रधान आरक्षक रामहेत कुशवाह, आरक्षक गोविन्द मीणा, कमल बरोड़िया, महिला आरक्षक पूजा रघुवंशी, खुशबू रघुवंशी और होमगार्ड आरक्षक सतीश शर्मा का विशेष सहयोग रहा।

जयंती पर भी उपेक्षा का शिकार रही पं. नेहरू की प्रतिमा, सफाई कर किया माल्यार्पण

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के अवसर पर शनिवार को हनुमान चौराहा स्थित नेहरू पार्क में उनकी प्रतिमा की दुर्दशा देखने को मिली। जयंती मनाने पहुंचे कांग्रेस नेताओं को जब प्रतिमा स्थल के आसपास भारी गंदगी और अव्यवस्था दिखी, तो उन्होंने पहले स्वयं सफाई का बीड़ा उठाया। कांग्रेसजनों ने पानी से प्रतिमा को नहलाकर साफ किया और पूरे परिसर को स्वच्छ बनाने के बाद विधिवत रूप से जयंती मनाई।

इस दौरान कांग्रेस कार्यकताओं ने नगरपालिका की कार्यप्रणाली और महापुरुषों की प्रतिमाओं के प्रति बरती जा रही अनदेखी पर तीखी नाराजगी जताई। शहर कांग्रेस जिला अध्यक्ष रजनीश शर्मा ने कहा कि पंडित नेहरू त्याग और बलिदान के प्रतीक हैं। बच्चों से विशेष स्नेह रखने के कारण ही उनकी जयंती पूरे देश में बाल दिवस के रूप में मनाई जाती है। उन्होंने कहा कि देश के विकास के लिए आईआईटी जैसे बड़े



और प्रतिष्ठित संस्थानों की नींव रखने वाले महापुरुष के त्याग और समर्पण को याद करते हुए आज हम उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। कांग्रेस नेताओं ने प्रशासन पर आरोप लगाते हुए यह भी कहा कि शहर के अन्य पार्कों की स्थिति भी बेहद खराब है और पुरानी गल्ला मंडी स्थित माधवराव सिंधिया पार्क का भी यही हाल बना हुआ है, जहां रखरखाव के अभाव में अव्यवस्थाएं हावी हैं।

बाल मेले में दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, लगाई दुकानें

आरोन। भारत के प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्म दिवस के उपलक्ष में संस्था माधव विद्या मंदिर में बाल मेला का आयोजन हुआ जिसमें बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां वक्तव्य व कुछ मैजिक शो की प्रस्तुत किया।इस अवसर पर शहर के पत्रकार लखन सिंह रघुवंशी और बंटी राजपूत, रिटायर शिक्षक सेवाराम नौरोजी अतिथि के रूप में मौजूद रहे। अतिथियों व विद्यालय के प्राचार्य ने बच्चों के कार्य को सरहना की। पंडित नेहरू के जीवन पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर बच्चों ने छोले टिक्की इत्यादि दुकानों को लगाकर स्वादिष्ट पकवानों का स्वाद लिया और इस अवसर पर बच्चों को संदेश दिया कि आप देश निर्माण में अपनी एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्माण करेंगे। इस समाज को प्रगति के आधार परआगे तक ले जाएंगे और वह एक सच्चे नागरिक के रूप में अपनी भूमिका को निभाएंगे।